



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

५२१९९

सं० 261]

No. 261]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 2, 1998/अग्रहायण 11, 1920

NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 2, 1998/AGRAHAYANA 11, 1920

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर, 1998

विषय :- जापान, कोरिया, जर्मनी, चीन और चैक गणराज्य से औद्योगिक सिलाई मशीन की सुईयों के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच—प्रारंभिक जांच परिणाम।

23/1/97—एडीडी—सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए।

क. क्रियाविधि

जांच के संबंध में नीचे वर्णित कार्यविधि अपनाई गई है :

(I) निर्दिष्ट प्राधिकारी को (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा जाएगा) उपर्युक्त नियमों के अंतर्गत अल्ट्रेक सैम्बर्ट्ज नीडल्स लिं. की ओर से लिखित याचिका प्राप्त हुई है जिसमें जापान, कोरिया, जर्मनी, चीन तथा चैक गणराज्य मूल के अथवा वहां से निर्यातित इंडस्ट्रियल स्विंग मशीन नीडल्स (इसके बाद इन्हें नीडल्स कहा जाएगा) के पाटन का आरोप लगाया गया है।

(II) आवेदन की प्रारंभिक जांच से कुछेक कमियों का पता चला था, जिन्हें बाद में याचिकाकर्ता ने सुधार दिया था। अतः याचिका को उचित रूप से प्रुलेखित मान लिया गया।

(III) याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर प्राधिकारी ने जापान कोरिया, जर्मनी, चीन तथा चैक गणराज्य मूल के अथवा वहां से निर्यातित नीडल्स के कार्यत पाटित आयातों के विरुद्ध जांच शुरू करने का निर्णय लिया है। प्राधिकारी ने उक्त नियमों के उप-नियम 5(5) के अनुसार जांच की कार्रवाई शुरू करने से पूर्व पाटन के आरोप प्राप्त होने के बारे में सम्बन्धित देशों के दूतावासों को सूचित किया;

४।७॥ प्राधिकारी ने सीमाशुल्क अधिनियम, 1975 के अध्याय 84 के तहत वर्गीकृत और सम्बद्ध देशों के मूलके अध्या वहां से निर्यातित नीडल्स के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करने हेतु भारत के राजपत्र असाधारण, में दिनांक 16 जनवरी, १९७६ को सार्वजनिक सूचना जारी की थी ।

४।८॥ प्राधिकारी ने उक्त सार्वजनिक सूचना की एक-एक प्रति ज्ञात निर्यातकों ४जिनके ब्यांरे याचिकाकर्त्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए तथा उद्घोग संघों को दी थी और नियम ६४३॥ के अनुसार उन्हें 40 दिन के भीतर अपने विचार प्रकट करने का अवसर दिया था;

४।९॥ प्राधिकारी ने नीडल्स के सभी ज्ञात आयातकों को ४जिनके ब्यांरे याचिकाकर्त्ता ने उपलब्ध कराए थे ४ सार्वजनिक सूचना की एक-एक प्रति प्रेषित की थी और उन्हें पत्र के प्राप्त होने की तारीख से 40 दिन के भीतर लिखित में अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए अनुरोध किया था ।

४।१०॥ जांच की अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत में नीडल्स के आयातों के ब्यांरे उपलब्ध कराने के लिए केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमाशुल्क बोर्ड से अनुरोध किया गया था । बहुहाल सीबीईसी से कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई ।

४।११॥ प्राधिकारी ने सम्बद्ध देशों के सभी ज्ञात निर्यातकों तथा दृतावासों को उक्त नियम ६४३॥ के अनुसार याचिका की एक-एक प्रति दी थी अन्य हितबद्ध पार्टियों को भी, जिन्होंने इसके लिए अनुरोध किया था, याचिका की एक-एक प्रति दी गई ।

४।१२॥ प्राधिकारी ने निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों से नियम ६४४॥ के अनुसार संगत जानकारी मांगने के लिए उन्हें प्रश्नावली भेजी थी ।

- * आर्जन नीडल कं० लि०, जापान
- * केंवो० नीडल्स कं० लि०, कोरिया

- * फर्ड स्कीमेदज जीएमबीएच, जर्मनी
- * गोज-बैकर्ट के०जी०, जर्मनी
- * चेक रिपब्लिक
जंगला वैलेस्का क्लोबुस्की
- * चीन
 1. शंघाई बोन-फन मशीन नीडल कं० लि०,
 2. शंघाई डायमंड नीडल फैक्टरी
 3. शंघाई रेड-स्टार सीविंग मशीन नीडल मेन्यूफैक्चरर्स
 4. नान ट्रॉग न०। सीविंग मशीन नीडल फैक्टरी
 5. साउथ चाइना नीडल फैक्टरी
 6. किंगदाओ नीडल फैक्टरी
 7. यांताई निटिंग इक्विपमेंट फैक्टरी
 8. तियांजिन सीविंग मशीन नीडल फैक्टरी

निम्नलिखित नियांत्रिकों ने उत्तर दिया :

- * आर्गन नीडल, जापान
- * केओ नीडल कं० लि०, कोरिया
- * फर्ड स्कीमेदज जीएमबीएच, जर्मनी
- * गोज-बैकर्ट के०जी०, जर्मनी

१११ सम्बद्ध देशों के नई दिल्ली स्थित द्वातावासों को नियम ६१२४ के अनुसार जांच की शुरुआत के बारे में सूचित किया गया था, जिसमें उनसे अनुरोध किया गया था कि वे अपने देशों के नियांत्रिकों/उत्पादकों को सलाह दें कि वे निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर भेज दें। नियांत्रिकों को भेजे गए पत्र, याचिका तथा प्रश्नावली की एक-एक प्रति सभी ज्ञात नियांत्रिकों/उत्पादकों की एक सूची सहित द्वातावासों को भी भेज दी गई थी।

११२ नियम ६१४४ के अनुसार आवश्यक जानकारी प्राप्त करने के लिए भारत में नीडल्स के निम्नलिखित ज्ञात गायात्रकों को एक प्रश्नावली भेजी गई थी :

- * कोट्स वियेन्ना इंडिया लि०, बंगलौर
- * आरिवन इंटरकंटीनेटल, बंगलौर
- * जार्क नीड्स मेन्यूफैक्चरिंग कं०, मुंबई
- * गोज-बेकर्ट केंजी०जी० चंडीगढ़

निम्नस्थिति ने प्रश्नावली का उत्तर भेजा :

- * कोटस वियेल्ला इंडिया लि०, बंगलौर
- * गोज-चौकटी केंजी०, चंडीगढ़

४११४ अनेक पार्टीयों ने सम्ब-वृद्धि के लिए अनुरोध किया था जिसे प्राधिकारीने उचित कारण बतलाए जाने पर अनुमति दे दी थी ;

४१११] प्राधिकारी ने विभिन्न हितलद पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के गैर-गोपनीय अंश वाली सार्वजनिक फाइल रखी हुई थी । जिसे हितलद पार्टियों के निरीक्षण के लिए भी खुला रख गया था ।

४१४ प्राधिकारी ने जापान और कोरिया के सहयोग करने वाले निर्यातकों तथा याचिकाकर्त्ता के परिसरों में जहां पर आवश्यक था, मौके पर जांच की;

* १४ क्षति के बारे में याचिकाकर्त्ता से अतिरिक्त सूचना मांगी गई थी जो प्रस्तुत की गई ;

४११। सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों तथा याचिकाकर्त्ताओं द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर उत्पादन की इष्टतम लागत और सम्बद्ध वस्तुओं को भारत में तैयार करने तथा बेचने की लागत निकालने के लिए लागत जाँच बी की गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या डिपिंग भार्जिंग से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को होने वाली हानि को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा ।

४५४) घरेलू उद्योग से संबंधित सूचना माँगते के लिए विकास आयुक्त लघु उद्योग उद्योग मंत्रालय को भी एक पत्र जारी किया गया था:

॥४७॥१॥ धरेलू उद्घोग के सम्बन्ध में सूचना मैसर्स टीवीएस सीरिंग नीडल्स लि, लक्ष्मी विल्डिंग उसीलाभाटी रोड, कोचारे, पोस्ट बाक्स नं ५९, मदुरे-६२५०१६ से माँगी गई थी। प्राधिकारी को दिए अने पत्र में मैसर्स टीवीएस सीरिंग नीडल्स ने बताया कि इसने १९६२ में उत्पादन शुरू किया था। उन्होंने क्षमता, विनिर्माण

प्रक्रिया और प्रोधांगिकी से संबंधित व्योरे प्रस्तुत नहीं विए हैं तथा जाँच के इस कार्य में और आगे लाग लेने के लिए उन्होंने अपनी अनिच्छा जाहिर की है।

* * * जर्मनी से मुझ्यों के नियांत के लिए पाटनरोधों जॉय समाप्त करने के लिए प्राधिकारी को याचिकाकर्ता का अनुरोध प्राप्त हुआ था। याचिकाकर्ता ने उपरोक्त नियम 14 के अन्तर्गत कहा है कि भारत में प्रति वर्ष 100 मिलियन की संख्या से भी अधिक औषधीयिक फिलाई के मुझ्यों के कुल आयात में से जर्मनी का हिस्सा केवल 5% अर्थात् 5 मिलियन संख्या प्रति वर्ष बैठता है। ये मुझ्यों उन कोमतों से आई एवं आयात को ग्योर्जों जो यौन जापान, औरिया जनवादी गणराज्य और ऐक गणराज्य को कोमतों से अधिक है। अतः जर्मन आयातों से उन्हें होने वालों की अन्य देशों से हुए आयात से बाज़ों कम है। प्राधिकारी ने जर्मनी को इन जाँधों के दायरे सेवन रखने का निष्पत्ति किया।

* * * इस अधिकारी के विषय पर दो गई सूचना निर्दिष्ट हैं और प्राधिकारी द्वारा नियमों के अन्तर्गत सेवा सम्भाल गया है।

* * * जाँच। अप्रैल, 1996 से 31 मार्च, 1997 तक को अवधि के लिए को गई थी।

छ. याचिकाकर्ताओं के विवार

2. याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका और परवर्ती निवेदनों में निम्नलिखित प्रमुख मुद्दे उठाये हैं :—

उद्योग के संबंध में :—

१। एलटेक टेम्पर्ड्ज भारत में लेम्पर्ड्ज जी सभ द्वारा स्थ जर्मनी के साथ निर्गमित 24% इंस्टीटो द्वारक सक संयुक्त उद्यम कम्पनी है। औषधीयिक फिलाई को मुझ्यों की परियोजना लागत 12.50 करोड़ रुपये को थी और आई सो आई सो आई तथा सभ सो आई सो आई द्वारा मूल्यांकित की गई थी। मुझ्यों के विनिर्माण में 30 वर्षों से भी अधिक को परम्परा वालों लेम्पर्ड्ज ने भारत में पहली बार औषधीयिक फिलाई को मुझ्यों के परिष्कृत विनिर्माण के लिए एलटेक को उत्पादन एवं व्योनरो और प्रोधोरिंगों के समूचे साथ पुदान किए हैं।

१।०५ औद्योगिक मिलाई मशीन को सुझाँ अपनी स्वाँ को पहचान, विनिर्माण पुरिया और उपयोग वालों परिषुद्ध इंजीनियरों का सँ उत्पाद है। सुई का तार जो इस उत्पाद को एक प्रमुख कच्चों सामग्रो है, जर्मनों से आयात की जाती है। प्रमुख सायन जो कुल सायनों के मूल्य का तरंग ५०% है, भौं जर्मनों से आयात किया जाता है। अन्य प्रयोज्य सामग्रों देशों तरों के से प्राप्त को जाती है। भारत और यूरोप तथा एशिया में कहीं भी प्रयोग की जाने वाली विनिर्माण की प्रक्रिया में भिन्नता नहीं है। ये सुझाँ विश्व भर के केवल कुछ ही देशों में विनिर्मित की जाती हैं। सुझाँ के विनिर्माण के लिए अपेक्षित प्रौद्योगिकी और मशीनरी का स्वामित्व एकाधिकारवत् होता है।

१।०६ यायिकाकर्ता ने कहा है कि डो बो सफ्ट १, डो बो सफ्ट-सफ्ट २ और टो बो सफ्ट-१ पुणाली का जांच अवधि के दौरान कोई आयात नहीं किया गया था जिसे भौं इस जांच के कार्यक्षेत्र में समिलित किया गया है। ऐसा पुणालियों में से केवल १,४९,३०० सुझाँ परोक्षण, पारमिक विषण्म और ग्राहकों को दिस जाने वाले नमूनों के प्रयोजनार्थ आयात की गई थीं। यायिकाकर्ता ने कहा है कि बाजार के विकास को देखते हुए यह मात्रा एक वाणिज्यिक विद्या क्लाप के रूप में विद्यार करने के लिहाज से बहुत हो कम है।

पाटन के संबंध में:-

१।०७ सुझाँ का आरोपित पाटन जापान, कोरिया, चीन और ऐक गणराज्य से होना बताया गया है।

१।०८ यायिकाकर्ता ने संदर्भ देखाँ में पुरलित निर्यात कीमतों और सामान्य मूल्य निर्दिष्ट करने के लिए साक्ष्य दिए हैं। जापान के मामते में सामान्य मूल्य की पूष्टि जापान को आर्जन नोडल के लिए, को मूल्य सूची से को गयी है। कोदेस विद्येला लिए, को बंगलोर के लिए निर्यात कीमत के साक्ष्य के रूप में क्षोटेशम भी प्रस्तुत किया गया है।

१।०९ यायिकाकर्ता द्वारा कोरिया का सामान्य मूल्य उपलब्ध नहीं करवाया जा सका।

१८। या पिकाकर्ता ने कहा है कि घोन और थेंग गणराज्य में पुर्णिलत सामान्य मूल्य और उनको निर्धात कीमतें अनुपलब्ध हैं क्योंकि इन देशों में वाणीज्यक परम्परा को जानकारी नहीं है। सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए उत्पादन की अंकित लागत पर आधा दिवस कीमतें प्रस्तुत की गई हैं।

दृष्टि और राजनीतिक संबंधों के बारे में :-

१९। पाटन के फलस्वरूप या पिकाकर्ता बिक्री बढ़ाने में असमर्थ रहा है।

२०। या पिकाकर्ता का क्षमता-उपयोग २०५ से भी कम रह गया है।

२१। या पिकाकर्ता की माल सूधो बढ़ती जा रही है।

२२। पाटन के पत्तस्वरूप और प्रतिस्पद्धारा का मुकाबला करने के लिए बिक्री कीमत को लाभकारी स्तर तक बढ़ाने में असमर्थ है। इससे भारी नुकसान पहुँचा है और या पिकाकर्ता को उत्पादन बनाए रखने में कठिनाई हो रही है।

२३। या पिकाकर्ता बैंकों को अन्वयिक शृण को किसी तरों और बकाया ब्याज को चुकाता नहीं कर पाया है।

२४। या पिकाकर्ता को कीमतों के संबंध में अपना प्रवेश पाने के लिए प्रतिस्पद्धारा करनी पड़ती है किन्तु यह आरोप लगाया गया है कि विदेशी प्रतिस्पद्धों उन्हें बाजार से बाहर रखने के लिए हानि उठाने के लिए तैयार हैं। यह कहा गया है कि जापानी और कोरियाई कम्पनियों ने समय-समय पर अपनी कीमतों में कटौतियों को हैं और या पिकाकर्ता द्वारा उत्पादन के अनुरूप अपने बिक्री प्रयासों में तेजो लायी है।

ग. नियांतकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टीयों के विवार:-

३०. उन नियांतकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टीयों, जो पुा पिकाकर्ता को प्रत्युत्तर दे चुकी हैं, के विवार इस प्रकार है :-

निर्यातकों के विचार :-

आर्गन नोडल कम्पनी, जापान:-

१।१५ सुई उत्पादों को कोमतों का अधिक होना सामान्यतः उनके इस्तेमाल में हुई छोड़ वृद्धि होने के कारण बताया गया है। एक विकसित बाजार, जिसमें उच्च श्रेणी के संशिलिष्ट परिस्थानों का निर्माण किया जाता है, अलग-अलग प्रयोगों पर निर्भर रहते हुए विशेष सुझावों को ^{खूबचौ} बाजार में खरोली सुझावों को बिक्री मात्रा में तदर्रपो वृद्धि हुई है, जैसो कि जापान में है।

१।१६ जापान के संबंध बाजार और भारत के बाजार के बीच प्रत्यक्ष तुलना अनुचित नहीं क्योंकि दोनों हो विशिष्टताओं और बिक्री के तरीके आदि में असमान हैं।

१।१७ भारत और अन्य देशों के लिए निर्यात कीमत को तुलना घरेलू बिक्री कीमतों के साथ करने से यह संकेत मिलता है कि भारत को निर्यात के लिए व्यापक आर्गन और आर्गन की एक सहायक कंपनीों को कारखानागत कीमत उतनी ही है जितनी अन्य देशों को निर्यात के लिए है और घरेलू कीमत निर्यात की कीमतों से कुछ अधिक है। विनिर्माणलागत में ऐसा पर्क दो ^{विक्रीके लिए} कारकों को वजह से है। पछला निर्यातों के लिए और घरेलू उत्पादों ^{विक्रीके लिए} बीच पैकेजिंग का अन्तर है। घरेलू बिक्री के लिए सुई उत्पादों को पैकेजिंग लागत अधिक है। दूसरा कारण है पैकेजिंग के तरीके में उपरोक्त पर्क के कारण प्रत्यक्ष श्रम लागत में भिन्नता।

१।१८ घरेलू बिक्रीक्षयों की कीमत में वृद्धि आर्गन की घरेलू शाखाओं की प्रचालन लागत और निर्यात के लिए उत्पादों की कीमत की तुलना में मालसूची की लागत के कारण है। घरेलू बिक्री के लिए कीमत-प्रणाली "मशीन निर्माताओं" और "थोक निर्क्रेताओं" के लिए अलग-अलग तैयार की गई है। संचालन लागत और मालसूची की लागत घरेलू मशीन निर्माताओं के लिए उत्पादों पर लागू होती है। तथापि, घरेलू मशीन निर्माताओं के लिए बिक्री-कीमत घरेलू थोक निर्क्रेताओं की तुलना में कम की गई है।

१।०।४ आर्जन को कोमत-पुणालो में नोडल-टिप को विशेष आकृति को सुझाया और विशेष सर्फेस को टिंग वालों सुझाये, विशिष्टोकृत डोटे आकार को सुझाया आदि जैसे विशेष प्रकार को सुझाये के लिए धरेलू बिक्रियाएँ को बिक्री कोमत में अतिरिक्त लागत जोड़ो गई है। ऐसे विशेष प्रकार को सुझाया जो मानक प्रकारों को अपेक्षा अधिक छारोंसे होती है, कां धरेलू बिक्रियाएँ में कुल बिक्री-राशि का लगभग १२% हिस्सा बनता है।

मै. के आ०. नोडल कम्पनी लि, ददिष्ण कोरिया ।

१।११ औद्योगिक मिलाई मशीन को सुझाया भारी मात्रा में सामग्री के विनिर्माण और या विशिष्टोकृत परिणामों के विनिर्माण में लगी इकाइयों द्वारा प्रयुक्त की जाती है। वे कम लागत के उत्पाद हैं और उन्हें "इस्तेमाल के बाद नष्ट करने योग्य" माना जा सकता है क्योंकि उनको मरम्मत या पुनः इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है।

१।१।१२ प्रतिवादी पिछ्ले ३० वर्षों से सुझाये के विनिर्माण के कारोबार में लगा हुआ है और वह भारतीय बाजार में।। वर्षों से भी अधिक समय से अर्थत् या चिकाकत्ता द्वारा कारोबार भुक्त करने के कापने पहले से विषमान है।

१।१।१३ दक्षिण कोरियाई धरेलू बाजार में प्रतिवादी ही एक मात्र विनिर्माता है। इस उत्पाद का दक्षिण-कोरिया में आयात करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। इस उत्पाद की उत्तम गुणवत्ता और विनिर्माण की कम लागत के कारण। प्रतिवादी आयात को रोकने में सक्षम रहा है।

॥ १ ॥ प्रतिवादी की अने घरेलू बाजार में अन्य बिक्री व्यवस्था है। सभी बिक्रियाँ एक ग्राहक प्रमुख एजेन्ट की जाती है जो किसी भी प्रकार से प्रतिवादी से संबंधित नहीं है। उक्त प्रमुख एजेंट बाद में इसे दूसरे उप-एजेंटों को बेचता है जो बाद में इसे बाजार में बेचते हैं।

॥ २ ॥ घरेलू बाजार में यह उत्पाद "आर्गन" के नाम से बेचा जाता है और न कि आरेंज के नाम से जैसा कि समूहे विषय में किया जाता है।

॥ ३ ॥ याचिकाकर्ता एक मात्र विनिर्माता नहीं है क्योंकि फैसले टी वी स्स टिक्सिंग नीडल्स लिप, मुंबई इस उत्पाद का दूसरा विनिर्माता है जिसकी जांच की जारही है। इस बात को सिद्ध करेन के लिए इस विनिर्माता से एक वास्तविक उत्पाद नमूना प्रतिवादी के विद्यार्थों के साथ संलग्न है।

॥ ४ ॥ औद्योगिक सिलाई मशीन की सुझायें का निर्माण काफी छड़े पैमाने पर किया जाता है जिसे "इस्तेमाल के बाद नष्ट करने योग्य" त्वरण दिया जाता है और इस उत्पाद की कम लागत होती है। विनिर्माण प्रक्रिया एक समान हो सकती है तथापि जिस दंग से इनका विनिर्माण किया जाता है वह प्रत्येक विनिर्माता के लिए अलग-अलग होती है। प्रतिवादी के मामले में, प्रक्रिया अधिकांशतः स्वयालित है। प्रातिवादी की राय में आम तौर पर यह कहना गलत है कि सुझायें के विनिर्माण में व्यापक श्रम की आवश्यकता पड़ती है।

॥ ५ ॥ दशकों से सुझायें के विनिर्माण की प्रक्रिया में भारी परिवर्तन हुआ है। प्रत्येक विनिर्माता के पास विशेष प्रकार की प्रक्रिया होती है और मशीनरी की डिजाइनिंग और उसका विनिर्माण स्वयं विनिर्माता द्वारा किया जाता है। याचिकाकर्ता के लिए निश्चित प्रौद्योगिकी का होना पर्याप्त नहीं है। प्रक्रिया की कार्यक्षमता में सुधार लाने के लिए निरन्तर सुधार करना आवश्यक है। इस तथ्य को देखो हुर कि अन्त्य उत्पाद की लागत कम और मात्रा अधिक है, परिमाणगत प्रबंध "इकनामी आफ स्केल्स" किसी भी संयंत्र की सफलता के लिए महत्वपूर्ण होती है।

॥ १०॥ प्रतिवादी के कारण याचिकाकर्ता को कोई क्षमिता नहीं हुई है । याचिकाकर्ता द्वारा पाटन मार्जिन का जो परिकलन किया गया है वह बढ़ा थक्कर किया गया है । जाधार्थीन उत्पाद की उत्पादन लागत और इसकी सामान्य मूल्य काफी कम है । भारत में अपने प्रथालन के हरेक साल इसने अपनी कीमतों में निरन्तर वृद्धि की है । यह तथ्य मूलतः पाटन तिद्वान्त के प्रतिकूल है । याचिक भूत्यवृद्धि के बावजूद प्रतिवादी ने अपने उत्पाद की उत्तमता अथवा गुणवत्ता के कारण अपने बाजार हिस्से में वृद्धि की है ।

॥ ११॥ याचिकाकर्ता को यदि कोई नुक्सान हुआ है तो वह पुरानी प्रौद्योगिकी के कारण हुआ है जिसके तहत पर्याप्त परिमाणत प्रबंध नहीं हो पाता है, दूसरा कारण याचिकाकर्ता द्वारा उत्पाद की घटिया गुणवत्ता प्रदान करना है । बाजारी सूचना यह प्रदीर्घि करती है कि याचिकाकर्ता का उत्पाद आसानी से टूट सकता है और इस प्रकार इसे बार-बार बदलने की जरूरत पड़ती है ।

॥ १२॥ गैट के अनुच्छेद VI के प्रावधानों के अनुसार प्रतिवादी ने यह अनुरोध किया है कि एकाधिकार रखने वाले बाजारों को अलग रखा जाय क्योंकि असाधारण परिस्थितियों के कारण सामान्य मूल्य में अस्थिरता आ जाती है । “व्यापार के सामान्य रूप में घेरेलू बाजार की बिक्री पर विचार नहीं किया जा नक्ता है और “सामान्य मूल्य” का परिकलन करने के लिए इसका इस्तेमाल नहीं किया जा नक्ता है । प्रतिवादी ने अनुरोध किया है कि प्राधिकारी को सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए पड़ोसी देशों/बाजारों की बिक्री पर विचार करना चाहिए । तदनुसार, श्रीलंका, पाकिस्तान और बंगलादेश में द्व्युमि क्षमनी से बिक्री के लांकड़े निम्नलिखित कारणों से प्रस्तुत किए गए हैं :-

१. कृ निर्यात के लिए इन देशों की तमान भौगोलिक स्थितियाँ हैं ।

२. छू अंक्षार्द समान हैं और इस क्षेत्र में प्रतिवादी द्वारा बेची गई प्रणाली-विस्तै व्यापक रूप से समान हैं ।

३. गृ इन चारों देशों में विनिर्मित उत्पाद की किस्म में व्यापक रूप से सूती वस्त्र शामिल हैं जिनका विश्वभर में निर्यात किया जाता है ।

४. घृ प्रतिवादी अपने निर्यात बाजार का आंतरिक रूप से विभाजन किया हुआ है और ये चार देश इसी समूह में आते हैं । इन देशों में समान भाषा लागत है ।

आयातकों के विवार :-

क. मैसर्स कोट्स विएला ईडियाँ लि० बंगलौर

(1) यह कहना गलत है कि डीबीएक्स-1 का इस्तेमाल चर्म उद्योग द्वारा नहीं किया जाता है। हाथ से लिखी गई टिप्पणी "परिधान उपयोग के लिए चर्म के लिए नहीं" के साथ डीबीएक्स-1 सुई को लॉकस्टिक के रूप में वर्गीकृत करते हुए आर्गन की कैटलॉग के बारे में याचिकाकर्ता का अभ्यावेदन पूर्ण रूप से भ्रामक है क्योंकि कथित टिप्पणी याचिकाकर्ता द्वारा जोड़ी गयी है न कि जोर्गन नीडल कम्पनी द्वारा। लॉक स्टिच विश्वभर में प्रमुख सुई है एवं इसे व्यापक रूप में प्रयोग किया जाता है और इससे सभी किस्म की सामग्री की एक साथ सिलाई की जा सकती है। भारत में लॉक-स्टिच मशीनों का व्यापक प्रयोग सिले-सिलाए वस्त्रों, चर्म परिधान और चर्म फुटवियर उद्योगों में किया जाता है। लॉक-स्टिच मशीनों पर चर्म सिलाई के प्रयोजन के लिए मूल रूप से दो किस्म की नोक वाली सुझायां हैं; अर्थात् :

गोल नोकवाली सुझायां जिसे डीबीएक्स-1 के रूप में भी जाना जाता है।

कटिंग नोक वाली सुझायाँ जिसे 134 एमआर और 134 पीसीएल के रूप में भी जाना जाता है।

उपरोक्त किस्मों में से दूसरी किस्म की सुझायाँ अधिक निष्पादन वाली हैं और ये लगभग 50% अधिक मंहगी होती हैं। डीबीएक्स-1 के बारे में कहा जाता है कि व्यापक पसन्द वाली हैं जबकि चर्म उद्योग में कीमत का महत्व है यह अनिवार्य नहीं है कि चर्म की समस्त सिलाई 134 एमआर अथवा 134 पीसीएल सुझायों से ही की जाय। भारत के कई भागों में चर्म की सिलाई "गोल नोक" वाली सुई अथवा डीबीएक्स-1 सुझायों से की जाती है। विश्व में कोई ऐसा सुई विनिर्माता नहीं है जो इस बात का आग्रह करे कि चर्म सिलाई के लिए केवल कटिंग प्लाइट वाली सुझायों का ही प्रयोग किया जावा चाहिए।

(1) मूल्य अंधारित अग्रिम लाइसेंस [वीएबीएएल] योजना के तहत आयातों के बारे में याचिका कर्ता का आरोप वर्तमान जांच के लिए हूँठा और असंगत है। काद्रस ने आर्गन नीलिन्स से किए गए कुछ आयातों के लिए वीएबीएएल योजना का प्रयोग किया

था । कानूनी रूप से कोट्स ऐसे आयातों का पात्र था और उसने बाजार प्रीमियम का भुगतान करते हुए अग्रिम लाइसेंसों का क्षय किया था । जैसाकि आर्गम बिल से स्पष्ट है कि कोट्स ने चर्म उद्योग पर लागू होने वाली 20% रियायती शुल्क दर का लाभ कभी नहीं उठाया था । यद्यपि चर्म उद्योग द्वारा प्रयोग किए जाने वे लिए सुध्यों की घोषणा की गयी है तथापि कोट्स ने पूर्ण 52% शुल्क का भुगतान किया था ।

४।।।४ याचिकाकर्त्ता ने अपनी शिकायत में जापान से किए गए आयातों के बारे में जो विवरण दिया है वह सही नहीं है । जापान से होने वाले आयात में वृद्धि हुई थी क्योंकि आयातक ने जानबूझ कर अपने उन ग्राहकों की सेवा में सुधार करने के लिए माल सूची में वृद्धि कर दी थी जो मुद्यतः परिधान निर्यातिक थे ।

४।।।५ याचिकाकर्त्ता द्वारा पाटन के बारे में जो साक्ष्य प्रस्तुत किया है वह हास्यप्रसाद है । सुध्यों की माप किंग में दी गई है क्योंकि पीसों की संख्या से किंग में बदलने का कोई मानक भाजक नहीं है । अतः याचिकाकर्त्ता ने प्रति सुई की कीमतों का जो आंकड़ा प्रस्तुत किया है वह अर्धहीन है क्योंकि उनका परिकलन स्वैच्छिक परिवर्तन भाजन के आधार पर किया गया है ।

४।।।६ मैर्सेस कोट्स विएल्ला ने टीवीएस स्विंग नीडल्स लि०, मदुरे द्वारा विनिर्मित और मदुरा कोट्स लि० द्वारा बेची गई औद्योगिक स्लाई सुध्यों का एक पैकेट संलग्न किया है । टीवीएस द्वारा निर्धारित की गयी अधिकतम खुदरा कीमत 30 रूपए प्रति इस सुध्यों रखी गयी है अतः यह स्पष्ट है कि ऐसी कीमतों की पेशकश करने विनिर्माता और वितरक लाभ कमा रखते हैं । याचिकाकर्त्ता का यह दावा वि 2.50रु प्रति सुई बेचकर वह लाभ कमाने की स्थिति में नहीं है, उचित नहीं है ।

४।।।७ यह सुझाव देना तर्कहीन है कि जापानी, कोरियाई और चैक कम्पनियाँ, जो अंतर्राष्ट्रीय बाजार में स्वयं प्रत्यक्षोगी हैं, ने याचिकाकर्त्ता द्वारा उत्पादन शुरू करने सम्म्य ही कथित रूप से कीमतों में भारी कमी की है । याचिकाकर्त्ता को नुकसान पहुँचाने के निमित घाटा उठाने के लिए इन देशों के उत्पादकों की विनिर्माण मात्रा की तुलना में शिकायत कर्त्ता की क्षमता काफी कम है ।

४८ ॥१॥ सम्पूर्ण शिकायत का आधार यह है कि याचिकाकर्त्ता को 4 रुपए प्रति सुई की औसत कीमत पर सुझ्यों के बेचे जाने की उम्मीद थी जबकि सुझ्या ०.९३ रु० से 4 रुपए प्रति सुई की कीमत पर बेची जा रही है । ऐसा आंकलन करना मिथ्यापूर्ण था । निर्यातकों द्वारा कीमतों में कोई क्षेत्री नहीं की गयी थी उथवा कीमतें छाटाई नहीं थीं और इस प्रकार मह नहीं कहा जा सकता है कि याचिकाकर्त्ता को नुकसान पहुँचाया गया है ।

४८ ॥१॥ कोट्स द्वारा ऑर्जेंस नीडल्स ३.७४ रु० से लेकर ३.९१ रु० प्रति सुई तक की दर से बेची गई हैं । याचिकाकर्त्ता लगभग २.५० रु० प्रति^{सुई} की दर से सुझ्या बेच रहा है । इस प्रकार याचिकाकर्त्ता को कोई क्षयनीय छाटा उथवा नुकसान नहीं हो सकता है । उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, कथित पाटन और कथित नुकसान के बीच कारणात्मक संबंध का प्रश्न ही नहीं उठता है ।

घ:- उठाए गए मुद्दों की जांच :-

४. याचिकाकर्त्ता, निर्यातकों, आयातकों द्वारा प्रस्तुत की गई टिप्पणियों की जांच की गई, उन पर विचार किया गया और इसके बाद उचित स्थानों पर कार्रवाई की गई है ।

५. विचाराधीन उत्पाद:-

५. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद ऑपोगिक सिलाई मशीन की सुझ्या हैं । इस तरह की सुझ्यों का इस्तेमाल मुख्यतः वस्त्र परिधानों और चर्म उत्पादों की सिलाई में किया जाता है । ऑपोगिक सिलाई मशीन की सुझ्या सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम १९७५ के अध्याय ८४ और टैरिफ वर्गीकरण एचएस कोड सं ८४५२.३० के अंतर्गत वर्गीकृत है । तथापि, यह वर्गीकरण मात्र सक्तात्मक हैं और यह किसी भी तरह से वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है ।

६. समान वस्तुएं

६. याचिकाकर्त्ता ने दावा किया है कि उनके द्वारा विनिर्भूत सुझ्यों की ८ प्रणालियों/प्रकारों में भारत में ज़रूरत की सुझ्यों की भारी मात्रा भी शामिल है । जांच, सुझ्यों की इस आठ प्रणालियों के कथित पाटन के बारे में है । इस बात की पुष्टि करने के लिए

करने के लिए कि घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित सुझाएँ संबंद्ध देशों से निर्यातित सुझाएँ के समान वस्तु है, तकनीकी विनिर्देशन, विनिर्माण प्रक्रिया, प्रौद्योगिकी कार्य और उपयोग और टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताएँ पर विवार किया गया है। यह विवाद करने के लिए कोई तर्क नहीं है कि घरेलू उद्योग द्वारा इन विभिन्न प्रणालियों/आकारों की जौ सुझाएँ निर्मित की जाती है, क्ये समान वस्तुएँ हैं और इनका प्रतिस्थापन संबंद्ध देशों से आयातित सुझाएँ से वाणिज्यिक और प्रौद्योगिकी दोनों रूप से किया जा सकता है। घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित सुझाएँ सुझाएँ को नियम 2 अधृत के अर्थों के भीतर जापान, कोरिया, चीन और चेक गणराज्य से निर्यातित सामान के समान माना गया है।

7. याचिकाकर्त्ता द्वारा निर्मित और इन जांचों के दायरे में आने वाली सुझाएँ की प्रणालियाँ/प्रकारों आकारों, ब्रेजियों और उपयोग/रूपों का व्यौरा नीचे दिया गया है :-

गोल नोंक वाली सुझाएँ परिधान उद्योग के लिए।

प्रणालियाँ/प्रकार	आकार	समूह	उपयोग
डीबीएक्स।	11/75 से 22/140	लॉकस्टिच	लॉक स्टिच/सिंस १५ नियमित स्टिच
डीपीएक्स५	11/75 से 22/140	जिग्जैग	जिग्जैग/काजा/बटन होल/कड़ाई
डीबीएक्स५केतु बुनाई सुझाएँ	14/90 से 16/100	कड़ाई	कड़ाई
डीसीएक्स।	11/75 से 16/100	आवर लाक	आवर ऐंजिंग/आवर लॉक स्टिच
डीबीएक्स।	11/75	- 1, - 2 एंड-3 स्टिच/फ्लैटलॉक नीडल ग्रु/फ्लैटलॉक	- 1, - 2 एंड-3 स्टिच/फ्लैटलॉक नीडल ग्रु/फ्लैटलॉक
टीवीएक्स।	14/90 16/100	- 1, - 2 एंड-3 हेम स्टिच एंड केलिंग नीडल ग्रु	- 1, - 2 एंड-3 हेम स्टिच एंड केलिंग नीडल ग्रु
कटिंग पाइंट नीडल्स चर्म उद्योग के लिए			
134एलजार	12/80 से 22/140	लेदर प्वाइट चर्म के लिए नीडल्स ग्रु	लेदर प्वाइट चर्म के लिए नीडल्स ग्रु
डीबीएक्सएफ२	16/100 से 22/140	लेदर प्वाइट चर्म के लिए नदडल्स ग्रु	लेदर प्वाइट चर्म के लिए नदडल्स ग्रु

जी. घरेलू उद्योग

8. भैसर्स अल्टेक लर्मरज नीडल्स लिमिटेड, चेन्नई द्वारा याचिका दायर की गयी है। प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत याचिका में याची ने यह कथन किया कि वे औद्योगिक सिलाई मशीन की सुईयों के एकांकी निर्माता थे। अन्वेषण के दौरान अन्य खचि लेने वाले पक्षकारों के द्वारा प्राधिकारी के ध्यान में यह तथ्य लाया गया कि भैसर्स टी.वी.एस. सीविंग नीडल्स मदुरई भी विचार के लिए लाये गये उत्पाद का उत्पादन कर रहे थे। इस सम्बन्ध में प्राधिकारी द्वारा मांगी गयी सूचना के अनुरोध के प्रत्युत्तर में, भैसर्स टी.वी.एस. सीविंग नीडल्स मदुरई ने स्पष्ट किया है कि वे भी घरेलू एवं आद्योगिक दोनों ही सिलाई मशीन की सुईयों के निर्माता हैं। उनकी कम्पनी का सम्मेलन वर्ष 1962 में हुआ था। अन्वेषण अवधि 1996-97 के दौरान औद्योगिक सिलाई मशीन की सुईयों का उत्पादन (अंकों में) 8,41,720 था। जनवरी-मार्च 1997 में अकेले ही याची द्वारा कुछ 10,45,000 सुईयों का उत्पादन अपने 45 मिलियन सुईयों की वार्षिक क्षमता के बिल्ड किया गया।

अतः भारत में घरेलू उद्योग द्वारा उसी प्रकार की सुईयों के कुल उत्पादन का 55.4% से भी अधिक हिस्सा याची का होता है, और इसलिए उपयुक्त नियम 2 (बी) के अनुसार वह घरेलू उद्योग की परिभाषा की शर्त पूरी करता है।

एच. सस्ते दामों पर माल बेचना (द्वितीय)

9. धारा 9 ए (1) (सी), के अन्तर्गत किसी वस्तु के सम्बन्ध में सामान्य मूल्य से अभिप्राय है:

(1) तुल्य मूल्य, व्यवसाय के मामूली अनुक्रम में, सदृश्य वस्तुओं के लिए जो कि नियंत्रित देश या क्षेत्र में उपभोग के लिए अभिप्रेम हो, जो उपधारा (6) के अन्तर्गत बनाए गये नियमों के अनुसार निर्धारित किया गया हो; या

(11) जब नियंत्रित देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में, व्यवसाय के मामूली अनुक्रम में, सदृश्य वस्तुओं का विक्रय न हो, अथवा जब विशिष्ट बाजार को परिस्थित के कारण या नियंत्रित देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में विक्रय की भावा कम हो, ऐसा विक्रय समुचित तुलना की अनुमति नहीं देता, तो सामान्य मूल्य कोई भी एक होगा -

(क) उपधारा (6) के अन्तर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार सदृश्य वस्तु का निर्धारित तुल्य प्रतिनिधि मूल्य, जब उसे निर्यातक देश या क्षेत्र या एक यथोचित तृतीय देश से निर्यात किया जाये ; या

(ख) उपधारा (6) के अन्तर्गत निर्मित - नियमों के अनुसार मूलतः उत्पादन करने वाले देश में करी गयी वस्तु की निर्धारित उत्पादन लागत जिसमें प्रशासनिक, विक्रय और सामान्य लागतों एवं लाभों का उचित समावेश हो ।

परन्तु यदि वस्तु का आयात उत्पादन करने वाले देश को छोड़कर किसी अन्य देश से होता है और जहां वस्तु को केवल निर्यातक देश से होकर (द्रानशिप) यानान्तरण किया गया है या ऐसी वस्तु का निर्यातक देश में उत्पादन नहीं किया गया है या निर्यातक देश में कोई भी तुल्य मूल्य नहीं है, तो सामान्य मूल्य का निर्धारण मूल देश के मूल्य के संदर्भ में किया जायेगा ।

10. प्राधिकारी ने जापान, कोरिया आर पी, चीन तथा चैक गणराज्य के निर्यातकों को (व्येशचनायर) प्रश्नों का समूह, अन्वेषण से सुसंगत सूचना उपरोक्त उद्दत धारा के अनुसार देने एवं टीका टिप्पणी यदि कोई हो, करने के लिए प्रेषित किया । बहुत सारी कम्पनियों ने समय बढ़ाने की मांग की जिसे प्राधिकारी द्वारा स्वीकार कर लिया गया । मैर्स्ट्रीआरजन नीडल्स, जापान और मैर्स्ट्री के.ओ. नीडल्स कं0 लि0 कोरिया ने प्राधिकारी द्वारा प्रेषित प्रश्न समूह का जबाब दिया है । चीन एवं चैक गणराज्य के किसी भी निर्यातक ने प्रश्न समूह का उत्तर नहीं दिया है । सामान्य मूल्य एवं निर्यात मूल्य के संबंध में निर्यातकों द्वारा किया गया दावा (क्लेम) निम्न है :-

11. निर्यातकों का दावा (क्लेम)

(1) आरबन नीडल कं0 लि0, जापान

कंपनी ने प्राधिकारी द्वारा प्रेषित प्रश्न समूहों का जबाब दिया है । जापान में घरेलू बाजार के लिए मूल्य पद्धति "मशीन निर्माताओं" एवं "थोक व्यापारियों" के

लिए है । घरेलू विक्रय एवं भारत को निर्यात कर उत्पादन लागत में निम्न के कारण अन्तर हैं :-

(क) घरेलू विक्रय के लिए अभिप्रेत उत्पादकों के पैकेजिंग लागतों में बुद्धि ;

(ख) संचालन लागत एवं तालिका लागत जिन्हें घरेलू मशीन निर्माताओं के उत्पाद के लिए प्रयोग में लाया जाता है ।

भारत के लिए मूल्य वही है जो कि जापान के घरेलू बाजार में अभिकर्ता (एजेन्ट) एवं वितरकों के लिए विक्रय मूल्य है । निर्यातक ने मूल्य समायोजना के लिए दावा (क्लेम) भारत के निर्यात मूल्य में आन्तरिक ढुलाई, सामूद्रिक भाड़ा और बीमा और यान व्ययों के लिए किया है । दावे का समर्थन में साक्ष्य प्रस्तुत किया गया है ।

(11) के.ओ. नीडल कं0 लि0, कोरिया आरपी

प्राधिकारी द्वारा प्रेषित प्रश्नों के समूह का जवाब कंपनी ने दिया है । दक्षिणी कोरियाई घरेलू बाजार में यह निर्यातक एक मात्र निर्माता हैं और सभी विक्रय एक ही ग्राहक (मास्टर एजेंट) को किया जाता है ।

घरेलू विक्रय के लिए सुझियों (नीडल्स) की विभिन्न विधियों के लिए कंपनी की मूल्य सूची है और इसने पैकेजिंग, आन्तरिक भाड़ा और स्थगित भुगतान पर व्याज के लिए समायोजन हेतु दावा किया है । भारत के लिए निर्यात मूल्य को चार मूल्य समूहों में विभाजित किया गया है । पैकिंग, आन्तरिक भाड़ा एवं देख-रेख के लिए समायोजन का दावा किया गया है ।

आई. प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों के दावों की परीक्षा

12. आरबन नीडल कंपनी सिलिंटेड, जापान

सामान्य मूल्य :- निर्यातक द्वारा दी गयी सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है । मशीन निर्माताओं एवं थोक-छ्यापारियों के लिए विक्रय मूल्य के औसत पर

सामान्य मूल्य आधारित है। पैकिंग लागत, आन्तरिक भाड़ा एवं उत्पादन लागत में अन्तर के कारण समायोजनाओं को स्वीकार कर लिया गया है। उपरोक्त को समायोजित करने के लिए उपरान्त घरेलू विक्रय मूल्य को सामान्य मूल्य के रूप में विचार किया गया है।

निर्यात मूल्य :- भारत को निर्यात किए गएमाल के औसत मूल्य का विधिवार व्योरा कंपनी ने अलग अलग दिया है। विक्रय मूल्य औसत विक्रय मूल्य के आधार पर विचार किया गया है। निर्यात मूल्य का निर्धारण करते समय आन्तरिक भाड़ा (एफ ओ बी के पूर्व व्यय) और सामुद्रिक भाड़ा, बोमा और यान व्यय, औसत व्ययों के आधार पर (एफ ओ बी के बाद के व्यय), हेतु समायोजनाएं पूर्व कारखाना निर्यात मूल्य को निकालने के लिए की गयी हैं।

13. फैसर्स के.ओ. नीडल्स लिडो, कोरिया

सामान्य मूल्य : निर्यातक द्वारा दी गयी सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है। घरेलू बाजार में विक्रय के लिए कम्पनी की मूल्य सूचियां हैं। विभिन्न विधियों के लिए विक्रय मूल्य हैं। प्रत्येक विधि के लिए औसत विक्रय मूल्य को विक्रय मूल्य के रूप में अपनाया गया है। पैकिंग, आन्तरिक भाड़ा और स्थगित भुगतान पर व्याज हेतु कम्पनी ने घरेलू बाजार में किए गये विक्रय पर मूल्य समायोजनाओं के लिए दावा किया है। चूंकि कम्पनी द्वारा ये व्यय घरेलू विक्रय पर किये गये हैं। उन्हें स्वीकार कर लिया गया है।

दान एवं विज्ञापन के लिए भी समायोजनाओं का दावा किया गया है। दान पर किए गए व्यय नियमित व्यय नहीं हैं अतः अस्वीकृत कर दिया गया है। विज्ञापन पर किया गया व्यय घरेलू बाजार में किया गया व्यय होने के कारण स्वीकार कर लिया गया है।

निर्यात मूल्य :- भारत को किए गए निर्यात की स्थिति में निर्यातक ने पैकिंग आन्तरिक भाड़ा एवं देखरेख हेतु मूल्य समायोजनाओं का दावा किया है। दो बाजारों में किये गये व्यापके अन्तर के आधार पर दावा होने के कारण स्वीकार कर लिया गया है।

मूल्य समूह के आधार पर कम्पनी ने चार प्रकार से निर्यात मूल्य की मांग की है । जबकि सामान्य मूल्य विक्रय की प्रणाली (सिस्य) पर आधारित है । यह भी पाया गया कि बहुत सी विधियां (सिस्टम) एक ही मूल्य समूह में आ सकती हैं । इसलिए घरेलू बाजार में बेची गयी आठ नीडल सिस्टम और वर्तमान अन्वेषण की विषय वस्तु होने के कारण निर्यात से संबंधित चार मूल्य समूहों की तुलना करना समुचित समझा जाता है ।

14. चीन एवं चैक गणराज्य

यह दावा किया गया है कि चीन औद्योगिक सिलाई मशीन की सुईयों का सबसे बड़ा निर्माता और निर्यातक है । उनकी व्याक्षसायिक रीतियां अज्ञात हैं और उनकी मूल्य नीतियों का लाभ से कोई सम्बन्ध नहीं है ।

यह कहा गया है कि चैक कम्पनी एकरा ब्रांड की औद्योगिक सिलाई मशीन की सुईयों का निर्यात करती है । चीनियों की तरह उनकी भी मूल्य नीतियों ज्ञात नहीं है । इस निर्यातक ने भी प्राधिकारी के सूचना के अनुरोध का जबाव नहीं दिया है । चीनी निर्यातकों ने भी प्राधिकारी के सूचना के अनुरोध का जबाव नहीं दिया है ।

प्राधिकारी द्वारा यह संप्रेक्षण किया गया कि चीन एवं चैक गणराज्यों के किसी भी निर्यातव ने प्राधिकारी के प्रश्न समूहों का जवाब नहीं दिया है और न ही सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्स, (उपिंग मारजिन) सत्ते दामों पर बेचने की सीमा से संबंधित सूचना ही दी है और इस प्रकार प्राधिकारी ने उन्हें असहयोगी निर्यातकों के रूप में माना है और सर्वात्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर कार्यवाही की है ।

15. याची निर्मित उत्पादन लागत की मांग अस्थिर लागत के सम्बन्ध में उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर तथा अन्य दामों जैसे स्थायी लागत भारत में विद्यमान घटकों के आधार पर कर रहा है । याची औद्योगिक सिलाई की सुईयों की निर्मित उत्पादन लागत डी एम 102.01 (यूएसडी 61.05) एवं डी एम 123.30 (यूएसडी 73.8) प्रति 1000 सुईयों के दर से चीन एवं चैक गणराज्य के लिए क्रमशः मांग रहा है । हालांकि किसी भी निर्यातक या

आयातक ने बणना की विधि के विषय में विवाद नहीं किया है और न ही लागत निकालने के लिए प्रयोग में लाये गये तथ्यों के आंकड़ों के सम्बन्ध में ही विवाद किया है। इन परिस्थितियों में याची द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना पर विश्वास करने के लिए तथा तदनुसार निर्मित लागत का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी विचार है।

16. सामान्य मूल्य का निर्धारण याची द्वारा दिये गये निर्मित उत्पादन लागत के आधार पर किया गया है। निर्यात मूल्य डी जी सी आई एस आंकड़ों से 1% समुद्री भाड़ा और .29% ग्रीम व्यय लेने के बाद किया गया है। चूंकि डी जी सी आई एस आंकड़ों में मात्रा किग्रा में ही गयी है, याची के दावे के अनुसार उसे 0.6 ग्राम प्रति सुई के परिवर्तन घटक पर संख्याओं की गिनती में परिवर्तित कर दिया गया है।
17. तुलना के सम्बन्ध में नियम इस प्रकार व्यवस्था करता है :—
“डम्पिंग मार्जिन (कम मूल्य पर बेचने की न्यूनतम सीमा) पर पहुंचने के लिए अभिहित प्राधिकारी निर्यात मूल्य एवं सामान्य मूल्य की उचित तुलना करेगा। तुलना एक ही स्तर के व्यवसाय पर की जायेगी, सामान्यतया पूर्व कारखाना स्तर पर और किये गये विक्रय के सम्बन्ध में जहां तक सम्भव हो उसी समय पर किये गये विक्रय पर। प्रत्येक दशा में मामले के गुण दोष के आधार पर सम्यक छूट मूल्य की तुल्यता को प्रभावित करने वाले अन्तर, विक्रय की शर्तें एवं दशाओं में अन्तर, कराधान, व्यवसाय का स्तर, मात्रा, भौतिक लक्षण एवं अन्य कोई भी अन्तर जिनसे मूल्य तुल्यता प्रभावित होना प्रदर्शित किया जाये, के लिए दी जाएगी।
18. सामान्य मूल्य एवं निर्यात मूल्य की उचित तुलना के लिए प्राधिकारी ने याची एवं निर्यातकों द्वारा दी गयी सूचना तथा मुद्रित सूचना को विचार में लिया। सामान्य मूल्य एवं निर्यात मूल्य का निर्धारण, जैसा ऊपर विस्तृत है, पूर्व कारखाना स्तर पर किया गया है और इसलिए सुईयों की प्रत्येक विधि का औसत सामान्य मूल्य की तुलना पूर्व कारखाना स्तर पर निर्यात मूल्य से की गयी है। के.ओ. नीडल्स कोरिया के मामले में, औसत निर्यात मूल्य को विभिन्न मूल्य समूहों में विभाजित किया गया है।

19. डिपिंग मार्जिन निम्नवत आती है

जापान आरजन नीडल्स कं. प्रति 000 सुरेयां

नीडल्स सिस्टम/	डीवी×।	डीवीके 5	डीवी × 5	डीवी ×।	डीवी×।	134एलआर टीवी×।	डीवी×एफ2
मूल्य समूह							
डिपिंग मशीन	63.85	—	66.59	83.59	131.31	—	100.43 191.74
इ. मूल्य							
के % के रूप में							

के.ओ. नीडल्स कोरिया

मूल्य समूह	0	1	1	4	4	4	5	5
नीडल्स सिस्टम	डीवी×।	डीवी× के5	डीवी×5	डीसी×।	डीवी×।	143एलआर टीवी×।	डीवी×एफ2	
डिपिंग मार्जिन	10.09	16.74	13.67	डी	डी	19.09	डी	डी
इ.मू. का%				मिनिमस	मिनिमस		मिनिमस	मिनिमस

के रूप में

चीन (सभी निर्यातक)

नीडल्स सिस्टम	सभी 8 सिस्टम
डिपिंग मार्जिन	691%
इ.मू. का % के	

रूप में

चेक गणराज्य (सभी निर्यातक)

नीडल्स सिस्टम	सभी 8 सिस्टम
डिपिंग मशीन	
इ.मू. का %	671%

के रूप में

जे. क्षति

20. उपरोक्त नियम ।। के अन्तर्गत संलग्नक - ॥, जब क्षति का निष्कर्ष पाया जाता है, तो ऐसे निष्कर्ष में घरेलू उद्योग को हुयी क्षति का निर्धारण सम्मिलित होगा, "समस्त सुसंगत तत्वों को ध्यान में लेकर, जिसमें सम्मिलित होगा उम्प किए गए आयात की मात्रा, घरेलू वाजार में सदृश्य वस्तुओं पर उनके मूल्यों का प्रभाव और परिणाम स्वरूप ऐसे आयात का इन वस्तुओं के घरेलू निर्माताओं पर प्रभाव" । उम्प किए गए आयात के मूल्य पर हुए प्रभाव का विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि क्या उम्प किए गए आयात के द्वारा मूल्यों में सारभूत कटौती भारत में सदृश्य वस्तुओं के मूल्य की तुलना में हुई है । या ऐसे आयात का प्रभाव अन्यथा मूल्यों को एक सारभूत सीमा तक नीचे ले जाना है या मूल्य बुद्धि रोकने के लिए है, जो अन्यथा एक सारभूत छिगी तक हो जाती ।

उपरोक्त नियम ।। के अन्तर्गत संलग्नक ॥ (॥) आगे यह व्यवस्था देता है कि ऐसी स्थिति में जबकि किसी उत्पादक का एक से अधिक देशों से आयात साथ साथ डम्पिंग विरोधी अन्वेषण की विषय वस्तु से बनता है, तो अधिकारी अधिकार ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी रूप से आंकलन तभी करेगा जब कि वह ऐसा निर्धारण करे :

(क) प्रत्येक देश से किये गये आयात के सम्बन्ध में सुस्थापित डम्पिंग मार्जिन निर्यात मूल्य के दो प्रतिशत से अधिक अभिव्यक्त प्रतिशत है और प्रत्येक देश से आयात की मात्रा सदृश्य वस्तुओं के आयात का तीन प्रतिशत है अथवा जहां पुरक देशों का निर्यात तीन प्रतिशत से कम है, आयात संचयी रूप से वस्तु के आयात के सात प्रतिशत से भी अधिक है और

(ख) आयातित वस्तुओं और घरेलू वस्तुओं के मध्य प्रतिस्पर्धा की दशाओं के प्रकाश में आयात के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है ।

21. प्राधिकारी यह नोट करती है कि चेक गणराज्य को छोड़कर प्रत्येक विषयगत देश जापान, कोरिया आरपी, चीन से डम्पिंग मार्जिन और आयात की मात्रा उपरोक्त विवित सीमा से

अधिक है। आयात के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है क्योंकि विषयगत देशों से निर्यात भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत माल से प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा कर रही है।

22. भारत के घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की परीक्षा के लिए प्राधिकारी ने दोनों ही बातों पर विचार किया (क) डम्प किये गये आयात की मात्रा और डम्प किए गए आयात का घरेलू बाजार में सदृश वस्तु के मूल्यों पर प्रभाव और (ख) इन उत्पादों के घरेलू निर्माताओं पर इन आयातों का अनुगामी प्रभाव।

घरेलू उत्पादकों पर डम्प किये गये आयातों के प्रभाव का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी ने उन मूल्यों सूचकांकों पर विचार किया जिनका उद्योग पर प्रभाव था जैसे कि उत्पादन, विशुद्ध विक्रय वसूली, परिमाण और डम्पिंग मार्जिन आदि उपरोक्त नियम के संलग्नक II (iv) के अनुसार।

23. डम्प किए गए आयात की मात्रा :

	1994-95	1995-96	1996-97
	मात्रा	मात्रा	मात्रा
जापान	29,274	27,349	28,957
कोरिया आरपी	17,690	18,009	25,063
चीन	48,311	50,426	49,105
चेक गणराज्य	2,316	3,797	2,149
कुल योग	97,591	99,581	1,05,274
अन्य देश	60,752	55,260	48,882
कुल	1,58,343	1,54,841	1,54,156

वर्ष 1994-95, 95-96 और 96-97 के दौरान सुईयों (नीडल्स) का कुल आयात क्रमशः 1,58,343 किग्रा, 1,54,841 किग्रा और 1,54,156 किग्रा था। वर्ष 1995-96 में 94-94 की तुलना में आयात में कमी 2.21% था। 1996-97 में 95-96 की तुलना में आयातों में 0.44% की कमी हुई। 1996-97 में 94-95 की तुलना में कमी 2.64%

थी। इस प्रकार कुल आयात की मात्रा अन्वेषण अवधि के दौरान नीचे चली गयी है।

1994-95, 1995-96 और 1996-97 में जापान, कोरिया, चीन और चेक गणराज्य से सुईयों (नीडल्स) का कुल आयात क्रमशः 97,59। किंगा, 99,58। किंगा और 1,05,274 किंगा था। इस प्रकार 94-95 की तुलना में 1995-96 में वृद्धि 2.04% थी। 1995-96 की तुलना में 1996-97 में आयात में 5.72% की वृद्धि पुर्व हुई। 1994-95 की तुलना में 1996-97 में वृद्धि 7.87% थी। इस प्रकार विषयागत देशों से आयात की मात्रा अन्वेषण अवधि के दौरान बढ़ी है।

24. बाजार हिस्सा (मारकेट शेअर)

विषयगत देशों का कुल आयात में ये हिस्सा 61.63% 1994-95 में, 64.31% 1995-96 में और 68.28% 1996-97 में था। कुल आयात में विषयगत देशों का पृथक हिस्सा इस प्रकार था :—

	1994-95	1995-96	1996-97
जापान	18.48%	17.66%	18.78%
कोरिया आरपी	11.17%	11.63%	16.26%
चीन	30.51%	32.57%	31.85%
चेक गणराज्य	1.46%	2.45%	1.39%
	—	—	—
	61.63%	64.31%	68.28%
अन्य	38.37%	35.69%	31.72%
	—	—	—
कुल योग	100	100	100
	—	—	—

अतः यह ध्यान दिया जाता है कि विषयगत देशों का सुर्ईयों (नीडल्स) के कुल आयात में बाजार हिस्सा 95-96 की अपेक्षा 1996-97 में 3.97% और 1994-95 की अपेक्षा 1995-96 में 6.65% बढ़ गया। विषयगत देशों का बाजार में व्यक्तिगत हिस्से ने भी अन्वेषण के दौरान तुङ्ग दर्ज की। नियमों के अनुसार किसी भी देश के विरुद्ध अन्वेषण समाप्त होने की जरूरत है यदि विशिष्ट स्रोत से उम्प किए गए आयात की मात्रा कुल आयात के 3% से नीचे हो परन्तु उन सभी देशों से संचयी आयात जिनका हिस्सा पृथक रूप से 3% से कम है, 7% से अधिक है।

उपरोक्त प्राविधानों के अनुसार, प्राधिकारी ने चेक गणराज्य के विरुद्ध वर्तमान अन्वेषण समाप्त करने का निश्चय किया क्योंकि अन्वेषण अवधि के दौरान उस स्रोत से आयात की मात्रा सबसे कम थी।

27. घरेलू उद्योग को प्रशान्ति करने वाले घटक

1) उत्पादन एवं क्षमता की उपयोगिता :

45 मिलियन प्रतिवर्ष की निर्धारित क्षमता के विरुद्ध घरेलू उद्योग का उत्पादन मात्र 10.45 लाख सुर्ईयां (नीडल्स, जनवरी - मार्च 1997 के दौरान था जिससे 1996-97 के अन्तम तिमाही में धीमी क्षमता का उपयोग 9.29% था।

11) रहतिया (स्टॉक) : घरेलू उद्योग में सुर्ईयों (नीडल्स) का स्टॉक था।

1996 - 97

	जनवरी	फरवरी	मार्च	कुल योग
रहतिया	---	---	---	---
(इकाईयों में)				

111) जनवरी-मार्च 1997 के दौरान घरेलू इकाईयों को विक्रय से वसूली थी

	जनवरी	फरवरी	मार्च	कुल योग
विक्रय (लाख)	---	---	---	---
त्रिक्रय (सरंग)	---	---	---	---

28. कम कीमतों पर बिक्री एवं मूल्य भंडी

याची ने यह कथन किया है कि विषयगत देशों से आयात उनके अपने उत्पादन लागत से भी कम कीमत पर किया गया है । सस्ते आयातों ने घरेलू उद्योगों को बिक्री मूल्य बढ़ाने से रोका है । याची ने कहा है कि व्यवसायिक उत्पादन शुरू करने के कारण उन्हें वित्तीय हानियां हो रही हैं क्योंकि घरेलू उद्योग अपने सुदृश्यों के लिए उचित मूल्य रूपये----- वसूल करने में असमर्थ हैं जो कि भारतीय उद्योग के लिए आवश्यक हैं जैसा कि आई सी आई आर ने भी विचार किया है । यह ध्यान दिया जाता है कि इकाई बिक्री वसूली रू. ----- प्रति सूई थी जो कि प्रार्थी की अन्वेषण की गयी बहुत सी प्रणालियों के उचित मूल्यों से भी कम है । इस मूल्य स्तर पर, याची को अन्वेषण के दौरान रू. ----- लाख की हानि हुयी है ।

याचियों का उत्पादन अनुकूलतम स्तर पर न ही रहा है और क्षमता उपयोगिता धीमी थी । 1996-97 के लिए वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि आयातित एवं क्रय किये गये यन्त्र एवं संयंत्र को 1996 के शुरू में ही लगा दिया गया । लगभग पूरा वर्ष (पी ओ आई) विकराल समस्याओं से जूझने में लग गया । यह दावा किया गया कि संकरित पर्याप्त अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की सुदृश्यां बनाने के लिए किया गया और उत्पादन की गुणता । जनवरी 1997 को व्यावसायिक उत्पादन शुरू करने के लिए स्थिर हो सकी ।

29. क्षति पर निष्कर्ष :

प्राधिकारी उपरोक्त से निम्न बातें नोट करती हैं :

1. शामिल देशों से आयात एवं उनका बाजार में हिस पूर्ण एवं सापेक्ष रूप से बढ़ा हआ । 1996-97 में चीन से आयात 132। किंग्रा पूर्ण रूप से कम हुआ परन्तु सापेक्ष रूप से 1.2% बढ़ गया । मात्रा के सम्बन्ध में चीन का आयात में बाजार में सबसे बड़ा हिस्सा है ।
2. शामिल देशों से विचाराधीन उत्पाद के विशाल मात्रा में आयात के कारण घरेलू उद्योग बाजार से अपने आपको स्थापित करने में असमर्थ रहा है ।
3. आयातों से घरेलू उत्पादों के मूल्यों में कमी हुई है जिसके परिणाम स्फूर्ति खराब बिक्री एवं हानियां हुई है ।
4. व्यावसायिक उत्पादन शुरू करने के पश्चात घरेलू उद्योग के पास विषयमत माल का सारभूत स्टाक था ।

प्राधिकारी का इसलिए यह निष्कर्ष है कि घरेलू उद्योग को तात्त्विक क्षति हुई है ।

के. आकस्मिक कढ़ी :

यह स्थापित करने के लिए कि घरेलू उद्योगक को शामिल देशों से आयात से तात्त्विक क्षति हुई है । प्राधिकारी यह तय करती है कि शामिल देशों से उत्पाद का आयात महत्वपूर्ण रूप से पूर्णलपेण बढ़ा है और शामिल देशों का कुल आयातों में हिस्सा भी महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा है । इसके कारण याची को बाजार में हिस्सा कम हुआ है और तासिका स्तर से अत्यधिक वृद्धि हुई है ।

एस. भारतीय उद्योग का हित और अन्य बिन्दु

सामान्य रूप से उद्देश्य विरोधी करों का उद्देश्य उस उद्देश्य को समाप्त करना है जो कि घरेलू उद्योग को क्षति कारित कर रहा है और भारतीय बाजार में खुले एवं उचित

प्रतिस्पर्धा की स्थिति को पुनः स्थापित करना है जो कि देश के सामान्य हित में है ।

यह मान्य है कि डम्पिंग विरोधी करों के लगाने से विषयवस्तु वस्तुओं के प्रयोगों से निर्मित उत्पादों के मूल्य स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणाम स्वरूप इन उत्पादों के सापेक्ष प्रतिस्पर्धा पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है । हांसाकि भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा से कमी डम्पिंग विरोधी तरीकों से नहीं होगी, विशेषतया यदि डम्पिंग विरोधी करों को उस रकम तक प्रतिबंधित कर दिया जाए जो कि घरेलू उद्योगक की क्षति की भरपाई करने के लिए आवश्यक हो । इसके विपरीत डम्पिंग विरोधी तरीके डम्पिंग रीतियों को अपना कर प्राप्त किये गए अनुचित लाभ को दूर कर देंगे, घरेलू उद्योग के विरावट को राकेंगे और औद्योगिक सिलाई मशीन की सुर्जियों (नीडल्स) की उपलब्धता बनाए रख कर उनके उपभोक्ताओं को व्यापक चुनाव का अवसर देंगे ।

डम्पिंग विरोधी तरीके लागू करने से शामिल देशों से होने वाले आयातों पर किसी तरह का प्रतिबन्ध नहीं लगेगा और इससिए, उपभोक्ताओं को इन उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी । घरेलू उद्योग को हुई क्षति दूर करने के लिए आवश्यक डम्पिंग विरोधी करों की सीमा का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए घरेलू उद्योगों की अधिकतम क्षमता स्तर पर सर्वात्मम उत्पादन लागत पर विचार करते हुए भारत में सुर्जियों (नीडल्स) के युक्तियुक्त विक्रय मूल्य पर विश्वास किया ।

एम. भू-मूल्य

भू-मूल्य का निर्धारण जापान, कोरिया आरपी, और चीन से सुर्जियों का औसत निर्यात ग्रूप्स विद्यमान कस्टम ड्यूटी का स्तर और एक प्रतिशत लैंडिंग और दो प्रतिशत हैडलिंग व्यय शामिल करने के पश्चात किया गया है ।

एन. **निष्कर्ष :-**

33. उपरोक्त पर विचार करने के उपरान्त यह विदित होता है कि

क) जापान, कोरिया आर पी, चीन में बनी हुई या वहां से निर्यात की हुई सुईयां (नीडल्स) भारत को सामान्य मूल्य से कम पर निर्यात किया गया है जिसके कारण डम्पिंग हुआ है।

ख) भारतीय उद्योग को तात्त्विक क्षति हुई है।

ग) क्षति जापान, कोरिया आर पी, चीन द्वारा संचयी रूप से कारित की गयी है।

घ) अन्वेषण अवधि के दौरान चेक गणराज्य से आयात की मात्रा न्यूनतम से भी कम रही है। अतः इस देश के विरुद्ध अन्वेषण समाप्त कर दिया गया।

34. अंतिम निर्णय लम्बित रहने के दौरान इस अन्वेषण की विषय वस्तु आठ विधियों (सिस्टम्स) से सम्बन्धित सुईयों जो या तो विषयगत देशों में बनी हैं या वहां से निर्यात की गयी है के आयात पर अगले अन्वेषण के लम्बित रहने के दौरान अंतिम रूप से डम्पिंग विरोधी डयूटी को लगाना आवश्यक समझा जाता है।

35. इस बात पर विचार किया गया कि क्या डम्पिंग मार्जिन से कम की डयूटी क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होती। इस उद्देश्य के लिये अन्वेषण की अवधि में नियांरित आयातों के भू-मूल्य की तुलना घरेलू उद्योग में उचित विक्रय मूल्य से किया गया। जहां भी अंतर डम्पिंग मार्जिन से कम था, डम्पिंग मार्जिन से कम डयूटी की अनुशंसा की गयी। तदनुसार ये प्रस्ताव किया जाता है कि अंतिम निर्णय लम्बित रहने के दौरान जापान, कोरिया आरपी, चीन में बनी हुई या निर्यात की हुई कस्टम टैरिफ के चैप्टर 84 के अन्तर्गत आने वाली औद्योगिक सिलाई मशीन की सुईयों (नीडल्स) के सभी आयातों पर, इस सम्बन्ध में केन्द्र सरकार द्वारा जारी अधिसूचना की तिथि से नीचे प्रस्तावित अंतिम एंटी डम्पिंग डयूटी लगाये जाये।

देश का नाम	निर्यातक का नाम	नीडल/सिस्टम	राशि प्रति 1000 सूचियां
जापान	आरगार नीडल्स कं.	डीबी × 1	195
		डीपी × 5	126
		डीबी × के5	NIL
		डीसी × 1	344
		डीवी × 1	161
		134 एल आर	NIL
		टीबी × 1	256
		डीबी × एफ2	930
		डीबी × 1	157
		डीपी × 5	223
कोरिया	के.ओ. नीडल्स कं.	डीबी × के5	161
		डीसी × 1	NIL
		डीवी × 1	NIL
		134 एल आर	469
		टीबी × 1	NIL
		डीबी × एफ 2	NIL
		सभी आठ विधियां (सिस्टम)/आकार	1924
चीन	सभी निर्यातक		

36. इस उद्देश्य के लिये आयातों का भू मूल्य, कस्टम अधिनियम, 1962 के अनुसार निर्धारित कर निर्धारण मूल्य एवं कस्टम्स ट्रैफिक अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3ए, 8बी और 9, 9ए के अन्तर्गत समायी गयी डयूटी को छोड़कर सभी कस्टम डयूटी होगी ।

37. नियांतक, आयातक, याची और सभी रुचि लेने वाले पक्षकार जो संबंधित हैं उन्हें पृथक रूप से प्राधिकारी द्वारा सम्बोधित किया जा रहा है वे अपना विचार बिन्दू इस पत्र के संप्रेषण की तिथि से चालीस दिन के भीतर अवगत करायें। अन्य कोई भी रुचि लेने वाला पक्षकार भी अपने विचार बिन्दू को इन निष्कर्षों के प्रकाशन की तिथि से चालीस दिन के भीतर अपने विचार बिन्दूओं से अवगत करा सकता है।

राठी विनय शांत, विहित प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE
NOTIFICATION**

New Delhi, the 2nd December, 1998

Subject :- Anti-Dumping investigation concerning imports of industrial sewing machine needles from Japan, Korea, Germany, China and Czech Republic- Preliminary Findings.

23/1/97/ADD- Having regard to the Customs Tariff Act 1975 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury),Rules,1995, thereof:

PROCEDURE

1. The procedure given below has been followed with regard to the investigations:
 - i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written Petition from Altek Lammertz Needles Ltd., alleging dumping of Industrial Sewing Machine Needles, (hereinafter referred to as Needles) originating in or exported from Japan, Korea, Germany, China and Czech Republic.
 - ii) The preliminary scrutiny of the application revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the petitioner. The petition was therefore considered as properly documented.

- iii) The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the Petitioner decided to initiate investigations against alleged dumped imports of Needles originating in or exported from Japan, Korea, Germany, China and Czech Republic . The Authority notified the Embassies of the subject countries about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate investigations in accordance with sub rule 5(5) of the Rules;
- iv) The Authority issued a Public Notice dated 16th January 98, published in the Gazette of India Extraordinary initiating Anti-dumping investigation concerning imports of Needles classified under Chapter 84 of the Customs Tariff Act,1975, originating in or exported from the subject countries;
- v) The Authority forwarded a copy of the Public Notice to the known exporters (whose details were made available by the Petitioner) and industry associations and gave them an opportunity to make their views known in writing within forty days in accordance with Rule 6(2);
- vi) The Authority forwarded a copy of the Public Notice to the known importers of Needles (whose details were made available by the petitioner) and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of the letter;
- vii) Request was made to the Central Board of Excise and Customs(CBEC) to arrange details of imports of Needles made in India during the past three years, including the period of investigation. No information was, however, received from CBEC.
- viii) The Authority provided copies of the Petition to the known ex-porters and the Embassies of the subject countries in accordance with Rule 6(3) supra. A copy of the petition was also provided to other interested parties, wherever requested;
- ix) The Authority sent a questionnaire, to elicit relevant information, to the following known exporters, in accordance with Rule 6(4);
 - Japan.
Organ Needle Co. Ltd.,
 - Korea.
K.O. Needles Co. Ltd.,
 - Germany.
Ferd Schemtz GmbH
Groz-Beckert KG
 - Czech Republic.
Jgla Valleska Klobusky
 - China.
 1. Shanghai Bon-Fun Machine Needle Co., Ltd.
 2. Shanghai Diamond Needle Factory.
 3. Shanghai Red Star Sewing Machine Needle Manufacturer
 4. Nan Tong No.1 Sewing Machine Needle Factory
 5. South China Needle Factory
 6. Qingdao Needle Factory,
 7. Yantai Knitting Equipment Factory,
 8. Tianjin Sewing Machine Needle Factory,

Response to the questionnaire was filed by the following exporters:

- **Organ Needle, Japan.**
- **K.O. Needle Co., Ltd., Korea.**
- **Ferd Schmetz Gmbh, Germany**
- **Groz-Beckert KG, Germany**

x) The Embassies of Japan, Korea, Germany, China and Czech Republic in New-Delhi were informed about the initiation of the investigations in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their respective countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the exporters was also sent to them, alongwith a list of known exporters/producers.

xi) A questionnaire was sent to the following known importers of Needles in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4);

- **Coats Viyella India Ltd., Bangalore**
- **Ashwin Intercontinental, Bangalore**
- **Jark Needle Manufacturing Co., Mumbai**
- **Groz-Beckert Kg, Chandigarh**

Response to the questionnaire was filed by the following:

- **Coats Viyella India Ltd., Bangalore**
- **Groz-Beckert Kg, Chandigarh**

xii) A number of parties requested for extension of time to submit the responses, which was, upon good cause shown, allowed by the Authority;

xiii) The Authority made available the non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;

xiv) The Authority conducted on-the-spot investigations at the premises of the co-operating exporters in Japan and Korea and petitioner to the extent considered necessary;

xv) Additional information regarding injury was sought from the petitioner, which was also furnished;

xvi) Cost investigations were also conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the Petitioner so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.

xvii) A letter was issued to the DC(SSI), Ministry of Industry, seeking Information on domestic industry and a reply was received;

Information regarding domestic industry was sought from M/s.T.V.S. Sewing Needles Ltd., Lakshmi Building, Usilampatti Road, Kochadai, P.O. Box No.59, Madurai-625016. In its reply to the Authority, M/s TVS Sewing Needles has stated that it had commenced production in the year 1962. They have not furnished details of capacity, manufacturing process and technology and have expressed their unwillingness to participate further at this stage of the investigation.

xviii) Domestic Industry as detailed hereinabove, is constituted by the Petitioner viz., M/s Altek Lammertz Needles Ltd., with a capacity of 45,000,000 numbers of needles per annum.

xix) A request of the petitioner to terminate the anti-dumping investigations for exports of needles from Germany under Rule 14 supra was received by the Authority.

xx) **** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;

xxi) Investigations were carried out for the period from 1st April, 1996 to 31st March, 1997.

B PETITIONERS VIEWS

2. The Petitioner has raised the following major issues in their petition and in their subsequent submissions.

On the industry:-

(i) Altek Lammertz is a joint venture company incorporated in India with Lammertz GmbH, Germany, holding a 24% equity. The project cost of industrial sewing needles was Rs12.50 crores and had been appraised by ICICI and SCICI. Lammertz with a tradition of more than 130 years in manufacture of needles has provided an entire line of production machinery and technology to Altek for manufacturing high precision industrial sewing needles for the first time in India.

(ii) Industrial sewing machine needles is a product of precision engineering with its own identity, manufacturing process and uses. The needle wire which is the main raw material for the product is imported from Germany. The main chemical which is about 50% of the value of total chemicals is also imported from Germany. Other consumables are indigenously procured. There is no difference in the process of

manufacture in India and that followed elsewhere in Europe and Asia. These needles are manufactured only in few countries around the world. The technology is closely held and the machinery required to manufacture the needles are proprietary.

(iii) The Petitioner has stated that no import was made of systems DBX1, DBXF2 and TVX1 which are also covered by the scope of this investigation, during the period of investigation. Of the remaining systems only 1,49,300 numbers of needles were imported for purposes of testing, seed marketing and sampling to customers. The Petitioner has stated that considering the volume of the market, this quantity is too small to be considered as a commercial activity.

On dumping:-

(i) Alleged dumping of needles is stated to take place from Japan, Korea, China and Czech Republic.

(ii) The Petitioner has given evidence to indicate normal values and export prices prevailing in the subject countries. In the case of Japan, normal value is established by a price list of Organ Needle Company Ltd., of Japan. A quotation evidencing the export price to Coats Viyella Ltd., Bangalore, has also been furnished.

(iii) Normal value in Korea could not be made available by the Petitioner.

(iv) The Petitioner has stated that the normal value prevailing in China and Czech Republic and their export prices are unavailable as the commercial practices in these countries are not known. Prices based on the constructed cost of production have been furnished for determination of normal value.

On injury and causality:-

(i) As a result of dumping, the Petitioner has been unable to build up sales.

(ii) The Petitioner's capacity utilisation has remained low at less than 20%.

(iii) Inventories of the Petitioner have been rising.

(iv) As a result of dumping and to combat competition, the Petitioner is unable to raise the selling price to a remunerative level. This has inflicted large losses and the Petitioner is finding it difficult to maintain production.

- (v) The Petitioner has defaulted on repayment of term loan instalments and interest dues to banks.
- (vi) The Petitioner has to compete on price terms to make an entry but it is alleged that the foreign competitors are ready to incur losses to keep them out of the market. It is stated that Japanese and Korean companies have timed their steep price cuts and intensified their sales efforts to coincide with production by the Petitioner.

C. VIEW\$ OF EXPORTERS IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES:-

3. The views expressed by exporters, importers and other interested parties who have responded to the Authority, are as under:

EXPORTERS VIEW\$:

a) Organ Needle Company, Japan:

- (i) Prices of needle products, in general, are stated to be higher due to the increase in particularity of applications thereof. A mature market in which manufacturing of high-grade complicated apparels is carried out requires special needles depending on individual applications. Sales volumes of expensive needles in the whole market is increased correspondingly as is in Japan. Direct comparison between the concerned market in Japan and that in India would be unreasonable, because both are unlike in characteristics, the manner of sales,etc.
- (ii) Comparison of the export price to India and to other countries with the domestic sales price indicates that an ex-factory price of Kyushu Organ (a subsidiary of Organ) for export to India is the same as that for export to other countries and the domestic price somewhat exceeds the prices for export. Such a difference in manufacturing costs is on account of two factors. The first is a difference in the manner of packaging between the products for exports and those for domestic sales. There is an increase in packaging costs in the needle products for domestic sales. The other cause is a difference in direct labour cost due to the above difference in the manner of packaging.
- (ii) The price for domestic sales is increased due to the operating cost of Organ's domestic branches and the inventory cost as compared with the price of the products for export. The price system for domestic sales is individually prepared for "machine builders" and "wholesalers". The operating cost and inventory cost are applied to the products for domestic machine builders. Nevertheless, the sales price for domestic machine builders is reduced as compared with that for domestic wholesalers.

(iii) In Organ's price system, additional cost is added to the sales price for domestic sales for the special types of needles such as those with a special configuration of needle-tip, needles with special surface coatings, specially small-sized needles etc. Such special types which are more expensive than the standard types occupies about 12% of the total sales amount in the domestic sales.

b) M/s.K.O.Nedles Company Ltd.,(South Korea)

(i) Industrial sewing machine needles are used by units involved in manufacturing large volume of materials and/or specialized garments. They are low cost products and may be considered 'disposable' as they cannot be repaired or reused.

(ii) The Respondent has been in the business of manufacturing needles for the last 30 years and has been in the Indian market for over 11 years i.e., long before the commencement of business by the Petitioner.

(iii) In the domestic South Korean market, the Respondent is the only manufacturer. There are no restrictions on the import of this product into South Korea. On account of the superiority of it's product and low cost of manufacture, the Respondent has been able to effectively combat imports.

(iv) The Respondent has an exclusive selling arrangement in it's domestic market. All sales are made to one customer (Master Agent), who is in no way related to the Respondent. This Master Agent in turn sells it to other subagents, who in turn sell into the market.

(v) In the domestic market, the product is marketed under the name "Organ" and not "Orange" as it is done around the world.

(vi) The Petitioner is not a monopoly manufacturer as M/s. T.V.S. Sewing Needles Ltd., Madurai, is another manufacturer of the product under investigation. An actual product sample from this manufacturer has been enclosed with the Respondent's views in order to establish this point.

(vii) The manufacture of industrial sewing machine needles is done on a very large scale given the 'disposable' nature and low cost of the product. While the process of manufacture may be the same, the manner in which they are carried out is unique to each manufacturer. In the case of the Respondent, the process is largely automated. In the Respondent's view, it is generally incorrect to state that the manufacture of needles is labour intensive.

(viii) Over the decades, there has been a sea-change in the process of manufacturing needles. Each manufacturer has a unique method and the machinery is designed and manufactured by the manufacturer themselves. It is not enough for the Petitioner to have dated technology. There must be constant modification to improve the efficiency of the process. Given the fact that the end-product is low-cost and high volume, economy of scale is vital to the success of any plant.

(ix) The Petitioner has suffered no injury on account of the Respondent. The dumping margin as calculated by the Petitioner is grossly exaggerated. The cost of production and the normal value of the product under investigation are much lower. For every year during it's operation in India, it has continuously been raising it's prices. This fact fundamentally opposes the concept of dumping. In spite of yearly price increase, the Respondent has increased it's market share on account of the superior quality of it's product.

(x) The injury, if any, to the Petitioner, is due to old manufacturing technology which does not provide adequate economies of scale. Another reason is the inferior quality of the product offered by the Petitioner. The feedback from the market indicates that the Petitioners product is liable to break easily thus requiring frequent replacement.

(xi) As per provisions of Art.VI of GATT, it is submitted by the Respondent that monopoly markets must also be excluded as the abnormal conditions distort the normal value. The sales in the domestic market cannot be considered in the "ordinary course of trade" and cannot be used to calculate "normal value". It is submitted by the Respondent that the Authority should consider sales to the neighbouring countries/markets to determine the normal value. Accordingly data for company sales in Sri Lanka, Pakistan and Bangladesh have been submitted for the reasons cited below:

- a) These countries are in the same geographical location for exports.
- b) Requirements are similar and the varieties of systems sold by the Respondent in the region are largely common.
- c) The type of products manufactured in these four countries are largely cotton garments and leather goods which are exported the world over.
- d) The Respondent has internally divided its export market and these four countries are in the same group. These countries have the same freight costs.

C. IMPORTERS VIEWS:

M/s. Coats Viyella India Ltd., Bangalore,

(i) It is incorrect to state that DBX1 is not used by the leather industry. The Petitioner's representation about Organ's catalogue classifying DBX1 needle as Lockstitch with a hand written note, "for garment applications not for leather" is totally misleading as the said note has been inserted by the Petitioner and not by Organ Needle Company. Lockstitch is the most basic and widely used stich worldwide to sew all kinds of material together. Lockstitch machines are extensively used in the readymade garment, leather garment and leather footwear industries in India. For the purpose of leather stitching on Lockstitch machines there are basically two types of needle points that are used, viz., ROUND POINT NEEDLES also known as DBX1,CUTTING POINT NEEDLES also known as 134LR and 134PCL. Of the above types, the latter are high performance needles and are almost 50% more expensive. DBX1 needles are stated to be the obvious

choice when price is of importance in the leather industry. It is not mandatory that all leather stitching has to be done only with 134LR or 134PCL needles. In many parts of India leather stitching is done with 'round point' or DBX1 needles. There is no needle manufacturer in the world who can insist that only 'cutting point' needles should be used for stitching leather.

(ii) The allegation of the Petitioner about imports under the Vabal scheme are false and irrelevant for the present investigation. Coats had used the vabal scheme for certain imports from Organ Needles. Coats was legally entitled for such imports and had purchased advance licences paying market premium. As evident from the Bill of Entry, Coats had never availed of concessional rate of duty of 20% as applicable to the leather industry. Even though needles have been declared for use by the leather industry, Coats had paid the full duty of 52%.

(iii) The statement of imports from Japan as brought out by the Petitioner in the complaint is not accurate. The imports from Japan were increased as the importer had purposely increased inventory to improve service to its customers who are mainly garment exporters.

(iv) The evidence of dumping submitted by the Petitioner is absurd. The measurement of needles is given in kg because there is no standard conversion factor from number of pieces into kg. Therefore the prices per needle figure given by the Petitioner is meaningless as they are calculated on the basis of arbitrary conversion factors.

(v) M/s. Coats Viyella have enclosed a packet of industrial sewing needles manufactured by TVS Sewing Needles Ltd., Madurai and marketed by Madura Coats Ltd. Ltd. The maximum retail price fixed by TVS is Rs 30/ for ten needles. It is therefore evident that Indian manufacturers and distributors can profitably survive by offering such prices. The Petitioner's claim that they are unable to make profits by selling at Rs.2.50/ per needle is not tenable.

(vi) It is absurd to suggest that Japanese, Korean and Czech companies who are themselves competitors in the global market have allegedly resorted to steep price cuts to coincide with the commencement of production by the Petitioner. The complainant's capacity is absolutely insignificant as compared to the scale of manufacturing of the producers in these countries to incur losses to cause damage to the Petitioner.

(vii) The basis for the entire complaint is that the Petitioner had expected to sell the needles at an average price of Rs4/ per needle whereas needles are being sold at prices ranging from Rs.0.93 to Rs 4/ per needle. This assessment was a gross misjudgement. There is no price cutting or suppression of prices by exporters and thus no injury can be said to have been caused to the Petitioner.

(viii) The price of Organ Needles marketed by Coats are in the range of Rs 3.74 to Rs.3.91 per needle. The Petitioner is selling needles at Rs 2.50/-per needle approximately. Thus there cannot be any conceivable loss or injury to the

Petitioner. In view of the above, the question of causal relationship between the alleged dumping and alleged injury does not arise.

D. EXAMINATION OF THE ISSUES RAISED

4. The submissions made by the Petitioner, exporters, importers have been examined, considered and dealt with at appropriate places hereunder

E. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

5. The product under consideration in the present investigation is Industrial Sewing Machine Needles. Such needles are used mainly in sewing textile garments and leather products. Industrial sewing machine needles are classified under Chapter 84 of the Customs Tariff Act, 1975, under tariff classification HS Code No. 8452.30. The classification is however indicative only and in no way binding on the scope of the present investigations.

E. LIKE ARTICLES

6. The Petitioner has claimed that the 8 systems/types of needles manufactured by them comprise the bulk of the needle requirement in India. The investigation is on alleged dumping in these eight systems of needles. In order to establish that the needles produced by the domestic industry is a like article to the needles exported from the subject countries, characteristics such as technical specifications, manufacturing process, technology, functions and uses and tariff classification have been considered. There is no argument disputing that needles produced by the domestic industry in these various systems/sizes are like articles and are substitutable by the needles imported from the subject countries – both commercially and technically. The needles produced by the domestic industry have therefore, been treated as like article to the goods exported from Japan, Korea, China and Czech Republic, within the meaning of Rule 2(d).

7. The systems/types, sizes, categories and usage/features of the needles manufactured by the Petitioner and covered by the scope of these investigations are as follows:

ROUND POINT NEEDLES (for garment industry)

Systems/types	Size	Group	Usage
DBX1	11/75 to 22/140	Lockstitch	Lockstitch/Single (regular)stitch
DPX5	11/75 to 22/140	Zigzag	Zigzag/Kaja (button hole)
DBXKS	14/90 to 16/100	Embroidery	Embroidery

KNITTING NEEDLES

DCX1	11/75 to 16/100	Overlock	Overedging/Over-lock stitch
DVX1	11/75	-1,-2, & -3 needle group/ Flatlock	Double Chainstich/ Flatlock
TVX1	14/90 16/100	-1, -2 & -3 needle group	Hemstich & Felling

CUTTING POINT NEEDLES (for leather industry)

134LR	12/80 to 22/140	Leather Point needle group	For Leather
DBXF2	16/100 to 22/140	Leather Point needle group	For Leather

G. DOMESTIC INDUSTRY

8. The petition has been filed by M/s Altek Lammertz Needles Ltd., Chennai. The Petitioner had stated in their petition to the Authority that they were the sole manufacturers of industrial sewing machine needles. In the course of the investigations , it was brought to the notice of the Authority by other interested parties that M/s TVS Sewing Needles Madurai, was also manufacturing the product under consideration. In response to the request for information sought by the Authority in this regard, M/s TVS Sewing Needles, Madurai have clarified that they are also manufacturers of both Household and Industrial Sewing Machine Needles. Their company was incorporated in the year 1962. Their production (in numbers) of industrial sewing machine needles during the period of investigation, 1996-97 was 8,41,720. The petitioner's production during Jan-March '97 alone was 10,45,000 numbers of needles against annual capacity of 45 mn numbers of needles.

The petitioner therefore accounts for more than 55.4% of the total production of the like article by the domestic industry in India, and therefore, satisfies the definition of domestic industry, in accordance with Rule 2(b) supra.

H. DUMPING

9. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

- (i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-

(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rule made under sub-section (6); or

(b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

10. The Authority sent questionnaires to the exporters from Japan, Korea RP, China and Czech Republic to furnish information relevant to the investigations and offer comments, if any, in accordance with the section cited above. A number of companies requested for extension of time, which was allowed by the Authority. M/s Organ Needle, Japan and M/s K.O. Needle Co. Ltd., Korea, has responded to the questionnaire sent by the Authority. None of the exporters from China and Czech Republic have responded to the questionnaire. The claims made by the exporters with regard to normal value and export price are as under:

11. CLAIMS OF THE EXPORTERS:-

i) Organ Needle co. Ltd., Japan.

The company has responded to the questionnaire sent by the Authority. The price system for the domestic market in Japan is for "machine builders" and "wholesalers". There is a difference in cost of production between domestic sales and exports to India on account of:-

- a) increase in packaging costs in products meant for domestic sales;
- b) operating cost and inventory cost which are applied to the products for domestic machine builders.

The price for India is for the agent or distributor which is stated to be the same as the sales price for the Japanese domestic market. The exporter has claimed price adjustment on account of inland freight, overseas freight, and insurance and

shipping charges in the export price to India. Evidence in support of the claims has been furnished.

ii) K.O. Needle Co Ltd., Korea RP.

The company has responded to the questionnaire sent by the Authority. This exporter is the only manufacturer in the domestic South Korean market and all sales are made to one customer (Master Agent).

The company has price lists for domestic sales for various systems of needles and has claimed adjustments on account of packaging, inland freight and interest for deferred payment.

Export prices to India are categorised into four price groups. Adjustments have been claimed on account of packing, inland freight and handling.

I. EXAMINATION OF THE CLAIMS OF THE EXPORTERS BY THE AUTHORITY.

12. Organ Needle Company Ltd., Japan.

Normal value:- Normal value has been determined on the basis of information furnished by the exporter. Normal value is based on the average of the selling price to machine builders and wholesalers. Adjustments on account of packing cost, inland freight and difference in cost of production have been allowed. The domestic selling price after adjustment of the above has been considered as normal value.

Export price:- The company has furnished details of average price of goods exported to India separately for each system. The selling price has been considered on the basis of average sale price. While arriving at export price adjustment on account of inland freight(charges before FOB) and overseas freight, insurance, and shipping charges on the basis of average expenses(charges after FOB) have been made to arrive at the ex-works export price.

13. M/s, K.O. Needles Ltd., Korea

Normal Value: The normal value has been determined on the basis of information furnished by the exporter. The company has price lists for sales in the home market. The selling price is for various systems. The average selling price has been adopted for each system as the selling price.

The company has claimed price adjustments on sales in the home market on account of packing, inland freight, and interest on deferred payment. Since these are expenses incurred by the company on domestic sales, they have been allowed.

Adjustments have also been claimed on account of donations and advertisement. The expenses incurred on donations are not regular expenditure and therefore have been disallowed. Expenditure incurred on advertisement being an expense incurred in the domestic market has been allowed.

Export Price: In case of exports made to India, the exporter has claimed the following price adjustments on packing, inland freight and handling. The claims being on the basis of differences in the expenses in the two markets, have been allowed.

The company has claimed export price for four types on the basis of price-groups, whereas the normal value is based on the systems sold. It is also found that several systems may fall in one price group. Therefore, it is considered appropriate to compare the eight needle systems sold in the home market and being the subject matter of the present investigation with the four price groups pertaining to exports.

14. China & Czech Republic

It is claimed that China has emerged as the largest manufacturer and exporter of industrial sewing machine needles. Their commercial practices are not known and their pricing policies have no relationship to profitability.

The Czech company is stated to export AKRA brand of industrial sewing machine needles. Like the Chinese, their pricing policies are also not known. This exporter has also not responded to the Authority's request for information. Chinese exporters have not responded to the Authority's request for information.

It is observed by the Authority that none of the exporters from China and Czech Republic have responded to the Authority's questionnaire and submitted information relating to normal value, export price, dumping margin and thus the Authority has considered them as non-cooperative exporters and proceeded on best available information.

15. The petitioner is claiming the constructed cost of production based on evidence available with regard to variable cost and other claims like fixed costs on the basis of factors prevailing in India. The petitioner is claiming the constructed cost of production of industrial sewing needles of DM 102.01(USD 61.05)& DM 123.30 (USD 73.8) per 1000 needles for China and Czech Republic respectively. However none of the exporters or importers has contested the method of calculation, nor the factual data used in arriving at the cost. In the circumstances, the Authority is constrained to rely on the available information submitted by the petitioner and determine the constructed cost accordingly.
16. Normal value has been determined on the basis of constructed cost of production as given by the petitioner. Export price has been determined from DGCIS data after taking 1% as ocean freight and 0.29% as insurance charges. As volume in DGCIS data is given in terms of kg, the same has been converted into numbers at a conversion factor of 0.6 gms per needle as claimed by the petitioner.

17. The rules relating to comparison provides as follows:

“ While arriving at margin of dumping, the Designated Authority shall make a fair comparison between the export price and the normal value. The comparison shall be made at the same level of trade, normally at ex-works level, and in respect of sales made as nearly as possible at the same time. Due allowance shall be made in each case, on its merits, for differences which affect price comparability, including differences in conditions and terms of sale, taxation, levels of trade, quantities, physical characteristics, and any other differences which are demonstrated to affect price comparability.”

18. For the purpose of fair comparison between the normal value and the export price, the Authority took into account the information furnished by the petitioner, exporters and other published information. The normal value and export price determined, as detailed above, are at ex-works level and therefore the average normal value of each system of needle has been compared with average export price at ex-works level. In the case of K.O. Needles Korea, average export price is categorised under different price groups.

19. The dumping margin comes as under:
Japan Organ Needle Co. Per 000 needles

Needles System /Price Group	DBx1	DB K5	DPx5	DCx1	DVx1	134LR	TVx1	DBxF2
Dumping Margin As a % of E Price	63.85	Nil	66.59	83.59	131.13	Nil	100.43	191.74

K O Needles , Korea

Price Group	0	1	1	4	4	4	5	5
Needles System	DBx1	DBxK5	DPx5	DCx1	DVx1	134LR	TVx1	DBxF2
Dumping Margin As a % of E Price	10.09	16.74	13.67	De-Minimus	De-Minimus.	19.09	De-Minimus	De-Minimus

China(All exporters)

Needles System All 8 systems

Dumping Margin 691%
As a % of E Price

Czech Repbulic (All exporters)

Needles System All 8 systems

Dumping Margin 671%
As a % of E Price

J. **INJURY**

20. Under Rule 11 supra, Annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, "..... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....". In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

Annexure II(iii) under Rule 11 supra further provides that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti-Dumping investigation, the Designated Authority shall cumulatively assess the effect of such imports, only when it determines that:

- (a) the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two per cent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the export of the individual countries is less than three percent, the imports cumulatively account for more than seven percent of the imports of the article, and
- (b) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in the light of the conditions of competition between the imported articles and the domestic articles.

21. The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from each of the subject countries Japan, Korea RP, China are more than the limits prescribed above except in case of Czech Republic. Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate since the exports from the subject countries were directly competing with the goods offered by the domestic industry in the Indian market.

22. For the examination of the impact of the imports on the domestic industry in India, the Authority considered both (a) volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the Like article and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. The Authority has, for the purpose of assessing the impact of the dumped imports on domestic producers, considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping, etc. in accordance with Annexure II (iv) of the rules supra.

23. Volume of Dumped Imports:

		<u>1994-95</u>	<u>1995-96</u>	<u>1996-97</u>
		Qty	Qty.	Qty
Japan		29,274	27,349	28,957
Korea RP		17,690	18,009	25063
China		48,311	50,426	49105
Czech Republic		2,316	3,797	2,149
Total		97,591	99,581	1,05,274
Other Countries		60,752	55,260	48,882
Total		1,58,343	1,54,841	1,54,156

The total imports of needles were 1,58,343 kg, 1,54,841 kg and 1,54,156 kg during 1994-95, 95-96 and 96-97 respectively. The decrease in imports was 2.21% in 1995-96 over 94-95. Imports decreased by 0.44% in 96-97 over 95-96. The decrease was 2.64% in 96-97 over 94-95. Thus the quantum of total imports have gone down during the period of investigation.

It is observed that the quantum of imports from other countries decreased in 95-96 over 94-95 by 9.04% and in 96-97 it decreased by 11.54% over 95-96. The quantum of imports from other countries was 60,752 kg, 55,260 kg and 48,882 kg in 94-95, 95-96 and 96-97, respectively.

The total imports of needles from Japan, Korea, China and Czech Republic were 97,591 kg, 99,581 kg and 1,05,274 kg in 1994-95, 1995-96 and 1996-97, respectively. Thus the increase was 2.04% in 1995-96 over 94-95. Imports increased by 5.72% in 96-97 over 1995-96. The increase was 7.87% in 1996-97 over 94-95. Thus the quantum of imports from the subject countries has gone up during the period of investigation.

24. Market Share

The share of the subject countries in total imports were 61.63% in 94-95, 64.31% in 95-96 and 68.28% in 96-97. The share of the subject countries individually in total imports were as follows:-

	1994-95	1995-96	1996-97
Japan	18.48%	17.66%	18.78%

Korea RP	11.17%	11.63%	16.26%
China	30.51%	32.57%	31.85%
Czech Rep	1.46%	2.45%	1.39%
	-----	-----	-----
	61.63%	64.31%	68.28%
Others	38.37%	35.69%	31.72%
	-----	-----	-----
Total	100	100	100

Thus it is observed that the market share of the subject countries in total imports of needles increased by 3.97% in 1996-97 over that of 95-96 and by 6.65% over that of 94-95. Individual market shares of the subject countries also recorded increase in the period of investigation. As per Rules, investigations against any country are required to be terminated if the volume of the dumped imports from the particular source are found to be below 3% of the total imports provided the cumulative imports from all those countries who individually account for less than 3%, are more than 7%.

In view of the above provisions, the Authority decided to terminate the present investigations with reference to Czech Republic as the volume of imports from that source during the period of investigation was de-minimus.

27. Parameters affecting the domestic industry:

i) Production and Capacity Utilisation:

Against the installed capacity of 45 million /anum , Production of the domestic industry was only 10.45 lacs needles during Jan –March 97 resulting in low capacity utilisation of 9.29% during the last quarter of 96-97.

ii) Stocks: Stocks of needles with the domestic industry were:

Stocks (in Units)	1996-1997			Total
	Jan ****	Feb ****	Mar ****	

iii. Sales realisation of the domestic industry during the period Jan – March 97 was Rs ****/needle.

Sales (lakhs)	1996-1997			Total
	Jan ****	Feb ****	Mar ****	
Sales (nos)	****	****	****	****

28. Price undercutting and price depression:

The petitioner has stated that imports from the subject countries have been at prices below their own cost of production. Cheaper imports have prevented the domestic industry from increasing their selling prices. The petitioner has stated that having commenced commercial production they are incurring financial losses as the domestic industry is unable to realise reasonable value of Rs **** per needle for their needles which is necessary for the Indian industry to break even as envisaged by ICICI. It is observed that the unit sales realisation was Rs **** per needle which is below the fair prices of the petitioner for most of the systems investigated. At this price level, the petitioner has suffered a loss of Rs. **** lacs in the period of investigation.

The petitioners production has not been at optimum level and capacity utilisation was low. The Annual Report for 1996-97 states that the plant and machinery imported and those purchased were installed during early 1996. Almost the entire year (POI) was spent in overcoming teething problems. It is claimed that determined efforts were made to manufacture needles of international quality and production quality stabilised for commercial production to begin only on 1st January'97.

29. Conclusion on injury:

The Authority notes from the foregoing that:

1. The imports from the subject countries and their market shares have increased in absolute and relative terms. Imports from China in 96-97 declined by 1321 kg in absolute terms but increased by 1.2% in relative terms. In respect of volume, China commands the largest market share of imports.
2. The domestic industry has been unable to establish itself in the market in view of the huge volumes of imports of the product under consideration from the subject countries.
3. Imports have depressed the prices of the domestic product resulting in poor sales, losses.
4. There were substantial stocks of the subject goods with the domestic industry after the commencement of commercial production.

The Authority therefore concludes that the domestic industry has suffered material injury.

K. CAUSAL LINK:

30. In establishing that the material injury to the domestic industry has been caused by the imports from the subject countries, the Authority holds that the imports of the product from the subject countries increased significantly in

absolute terms and the share of the subject countries in total imports also increased significantly. This resulted in decline in the market share of the petitioner leading to steep increase in inventory level.

L. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES:

31. The purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

It is recognised that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of industrial sewing machine needles. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

To ascertain the extent of anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry, the Authority has relied upon reasonable selling price of needles in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilisation for the domestic industry.

M. LANDED VALUE:

32. The landed value has been determined on the basis of average export price of needles from Japan, Korea RP, and China after adding the prevailing level of customs duties and one percent landing and two percent handling charges.

N. CONCLUSIONS:

33. After considering the foregoing it is seen that:

- a. Needles originating in or exported from Japan, Korea RP, China have been exported to India below normal value, resulting in dumping;
- b. The Indian industry has suffered material injury;
- c. Injury has been caused cumulatively by imports from Japan, Korea RP, China;

33. The volume of imports from the Czech Republic during the period of investigation is de-minimus and hence investigations against that country terminated;

34. It is considered necessary to impose anti-dumping duty, provisionally, pending final determination, on imports of needles pertaining to the eight systems being the subject of this investigation, originating in or exported from the subject countries, pending further investigation.

35. It was considered whether a duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove the injury. Landed prices of the imports, for the purpose, was compared with the fair selling price of the domestic industry, determined for the period of investigations. Wherever the difference was less than the dumping margin, a duty lower than the dumping margin is recommended. Accordingly, it is proposed that provisional anti-dumping duties, as set out below be imposed, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of industrial sewing machine needles originating in or exported from Japan, Korea RP, China falling under Chapter 84 of the Customs Tariff pending final determination.

Name of the Country (1)	Name of the Exporter (2)	Needle/ System (3)	Amount Rs/000needles (4)
JAPAN	Organ Needle co	DBx1	195
		DPx5	126
		DBxK5	NIL
		DCx1	344
		DVx1	161
		134LR	NIL
		TVx1	256
		DBxF2	930
KOREA	K O Needles co	DBx1	157
		DPx5	223
		DBxK5	161
		DCx1	NIL
		DVx1	NIL
		134LR	469
		TVx1	NIL
		DBxF2	NIL
CHINA	All Exporters	All eight Systems/sizes	1924

36. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the customs Act 1962 and all duties of customs except duties levied under Section 3, 3A, 8B and 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

37. Exporters, importers, petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views within forty days from the date of the despatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority